पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VIII

Hindi

Specimen copy

Year- 2022-23

Semester-1

अनुक्रमणिका

क्रम . नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अप्रैल – मई	*** कविता-1 ध्वनि** *** पाठ -2 लाख की चुड़ियाँ** * भारत की खोज पाठ -1,२ * व्याकरण – भाषा ,लिपि , बोली और व्याकरण * लेखन विभाग – निबंध , पत्र लेखन
2	जून	*** पाठ -3 बस की यात्रा** * व्याकरण- क्रिया , क्रिया विशेषण * लेखन विभाग- संवाद लेखन *** कविता -4 दिवानों की हस्ती** * भारत की खोज पाठ -3 * लेखन विभाग – अनुच्छेद
3	जुलाई	*** पाठ -5 चिटठियों की अनूठी दुनिया** ***** व्याकरण- वाक्य * लेखन विभाग-अपठित गदयांश *** कविता -6 भगवान के डाकिए** ***** व्याकरण – काल ***** लेखन विभाग – सूचना -लेखन
4	अगस्त	*** पाठ – 7 क्या निराश हुआ जाए** ***** व्याकरण- संधि * लेखन विभाग- विज्ञापन *** कविता -8 यह सबसे कठिन समय नहीं** * व्याकरण- कारक * लेखन विभाग- पत्र लेखन *** कविता- 9 कबीर की साखियाँ** ***** लेखन विभाग – अनुच्छेद
5	सितम्बर	*** पाठ-10 कामचोर** * लेखन -विभाग – विज्ञापन तैयार कीजिए ***** पुनरावर्तन

कविता -1 ध्वनि

(कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी)

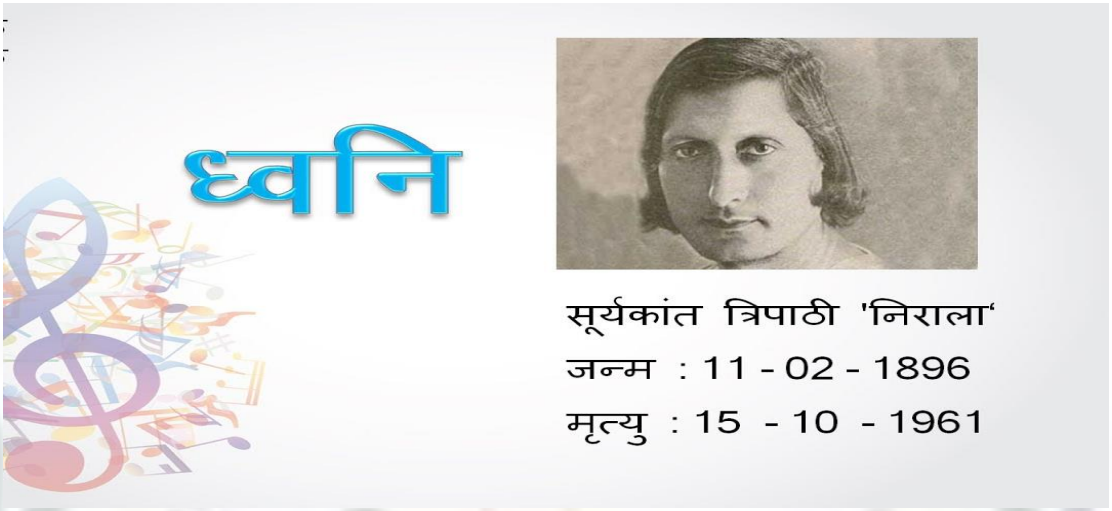

➢ कविता का सार

कवि मानते हैं कि अभी उनका अंत नहीं होगा। अभी-अभी उनके जीवन रूपी वन में वसंत रूपी यौवन आया है।कवि प्रकृति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि चारों ओर वृक्ष हरे-भरे हैं,पौधों पर कलियाँ खिली हैं जो अभी तक सो रही हैं।कवि कहते हैं वो सूर्य को लाकर इन अलसाई हुई कलियों को जगाएँगे और एक नया सुन्दर सवेरा लेकर आएंगे। कवि प्रकृति के द्वारा निराश-हताश लोगों के जीवन को खुशियों से भरना चाहते है। कवि बड़ी तत्परता से मानव जीवन को संवारने के लिए अपनी हर ख़ुशी एवं सुख को दान करने के लिए तैयार हैं। वे चाहते हैं हर मनुष्य का जीवन सुखमय व्यतीत हो। इसिलए वे कहते है कि उनका अंत अभी नहीं होगा जबतक वो सबके जीवन में खुशियाँ नहीं लादेते।

➢ नए शब्द

1) मृदुल
2) पात
3) कोमल
4) गात
5) निद्रित
6) प्रत्युष
7) मनोहर
8) तंद्रालस
9) सहर्ष

➢ शब्दार्थ

1) अंत: समाप्ति
2) पात: पत्ता
3) गात: शरीर
4) पुष्प: फूल
5) तंद्रालस: नींद से अलसाया हुआ
6) लालसा: लालच
7) नव: नये
8) अमृत: सुधा
9) सहर्ष: ख़ुशी के साथ
10) सींच: सिंचाई

11) द्वार: दरवाज़ा
12) अनंत: जिसका कभी अंत न हो
13) अंत: खत्म
14) कर: हाथ
15) कलियों: थोड़ी खिली कलियाँ
16) प्रत्यूष: सवेरा

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'ध्वनि' कविता के रचयिता निम्नलिखित में से कौन हैं?

(a) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(b) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(c) रामचंद्र तिवारी
(d) प्रभुनारायण

2) इस काव्यांश की कविता का नाम है-

(a) वसंत
(b) ध्वनि
(c) सवेरा
(d) मनोहर

3) अभी किसका अंत न होगा?

(a) वसंत का
(b) कवि के जीवन का
(c) प्रभाव का
(d) कलियों का

4) कवि पुष्य-पुष्प से क्या खींच लेना चाहता है?

(a) मिठास
(b) पराग
(c) खुशबू
(d) तंद्रालस लालसा

5) 'कलियाँ' किसका प्रतीक हैं?

(a) नवयुवकों का
(b) फूलों का
(c) वसंत का
(d) प्रातः काल का

6) कवि पुष्यों को सहर्ष किससे सींचना चाहता है?

(a) नवजीवन के अमृत से
(b) नवजीवन के जल से
(c) नवजीवन की वर्षा से
(d) इनमें से कोई नहीं

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर - 'अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि वे बताना चाहते हैं कि अभी अंत नहीं होने वाला है। अभी अभी तो वसंत का आगमन हुआ है जिससे उसका जीवन खुशियों से भर गया है। वह उमंग से भरा हुआ है।

2) 'वन में मृदुल वसंत' पंक्ति से आशय क्या है?

उत्तर - वन में मृदुल वसंत का अभिप्राय है- वन रूपी जीवन में वसंत का आगमन होना है।

3) कवि पर वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है?

उत्तर - वसंत के आगमन पर पेड़ों पर नए-नए, हरे-हरे पत्ते निकल आते हैं। नई-नई डालियाँ निकल आती हैं जिन पर कोमल कलियाँ निकल आती हैं जिससे कवि का जीवन खुशियों से भर गया है। कवि उमंग से भरा हुआ है।

4) वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है ?

उत्तर - वन कवि के जीवन रूपी उपवन का और निद्रित कलियाँ-आलस्य में डूबे हुए नवयुवकों का प्रतीक है।

5) कवि पुष्पों को किस रूप में देखता है और इनमें क्या परिवर्तन चाहता है?

उत्तर -कवि को पुष्प आलसी तथा नींद से बोझिल दिखाए पड़ रहे हैं। अपने स्पर्श से पुष्पों की नींद भरी आँखों से आलस्य छीन लेना चाहता है, यानी कवि उनका आलस्य दूर कर उन्हें चुस्त और जागरूक बनाना चाहता है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?

उत्तर- वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों, पवन के झोंकों से हिलती, ऐसी दिखाई देती है, मानो, सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू- कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है।

व्याकरण

➢ भाषा , लिपि और व्याकरण

भाषा - भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर, सुनकर, लिखकर व पढ़कर अपने मन के भावों या विचारों को आदान – प्रदान करता है।

भाषा के रूप- भाषा के दो रूप हैं-

1) **मौखिक भाषा –** जब व्यक्ति अपने मन के भावों को बोलकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।
2) **लिखित भाषा –** जब व्यक्ति अपने मन के भावों को लिखकर व्यक्त करता है, तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

➢ **लिपि –** भाषा का प्रयोग करते समय हम सार्थक ध्वनियों का उपयोग करते हैं। इन्हीं मौखिक ध्वनियों को जिन चिह्नों द्वारा लिखकर व्यक्त किया जाता है, वे लिपि कहलाते हैं।

भाषा	**लिपि**
हिंदी, संस्कृत, मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू, फ़ारसी	फ़ारसी
अरबी	अरबी
बंगला	बंगला
रूसी	रूसी
अंग्रेज़ी, जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश	रोमन

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई।

➢ **व्याकरण –** व्याकरण शब्द तीन शब्दों से मिलकर बना है: वि+आ+करण जिसका अर्थ होता है: भली-

भाँति समझाना।

- भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, पढ़ना और बोलना सिखाने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

1. भाषा कहते हैं
   (i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को
   (ii) लिखने के ढंग को
   (iii) भाषण देने की कला को
   (iv) इन सभी को
2. लिपि कहते हैं।
   (i) भाषा के शुद्ध प्रयोग को
   (ii) मौखिक भाषा को
   (iii) भाषा के लिखने की विधि को
   (iv) इन सभी को
3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को ___ कहते हैं?
   (i) सांकेतिक भाषा
   (ii) लिखित भाषा
   (iii) मौखिक भाषा
   (iv) वैदिक भाषा
4. लिखित भाषा का अर्थ है
   (i) लिपि को समझना
   (ii) विचारों का लिखित रूप
   (iii) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना
   (iv) विचारों को बोल-बोलकर लिखना
5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?
   (i) अंग्रेजी
   (ii) फ्रेंच
   (iii) उर्दू
   (iv) संस्कृत

लेखन -विभाग

निबंध

मेरा प्रिय खेल

- खेल कई प्रकार के होते हैं । कक्ष के भीतर खेले जाने वाले खैलों को इनडोर गेम्स कहा जाता है, जबकि मैदान पर खेले जाने वाले खेल आउटडोर गेम्स कहलाते हैं । अलग-अलग प्रकार के खेल व्यायाम के महत्त्वपूर्ण अंग है । अत: अपनी रुचि एवं शारीरिक क्षमता केअनुकूल ही खेलों का चयन करना चाहिए । खेलकूद आज विभिन्न राष्ट्रों के मध्य सांस्कृतिक मेल-जोल बढ़ाने का एक उत्तम माध्यम बन गया है ।
- मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है। आधुनिक युग मैं इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त है । भारत में यह खेल सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है । इस खेल से लोगों को अद्‌भुत लगाव है । क्या बच्चे, क्या बूढ़े, क्या नवयुवक, सभी इसके दीवाने हैं ।क्रिकेट का जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था । इंग्लैण्ड से ही यह खेल रुलिया पहुँचा, फिर अन्य देशों में भी इसका प्रसार हुआ । यह खेल नियमानुसार सर्वप्रथम 1850 ई. में गिलफोर्ड नामक विद्‌यालय में खेला गया था । क्रिकेट का पहला टैस्ट मै1877 ई. में ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न शहर में खेला गया था। टेस्ट मैच पाँच दिनों का होता है जो दो पारियों में खेला जाता है ।
- क्रिकेट का खेल बड़े-से अंडाकार मैदान में खेला जाता है । आरंभ में क्रिकेट को राजा-महाराजाओं या धनाढ्य लोगों का खेल कहा जाता था । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हॉकी को राष्ट्रीय खेल का दर्जा दिया गया, परंतु हॉकी के साथ-साथ क्रिकेट भी लोकप्रिय होता चलागया ।
- क्रिकेट में मिली जीत से लोग खुश होकर सड़कों पर नाचने लगते हैं । यह केवल मेरा ही नहीं, मेरी तरह करोड़ों भारतवासियों का सबसे पसंदीता खेल है ।

* गतिविधि - कविता में दिया गया चित्र बनाए |

पाठ -2 लाख की चुड़ियाँ

(लेखक - कामतनाथ)

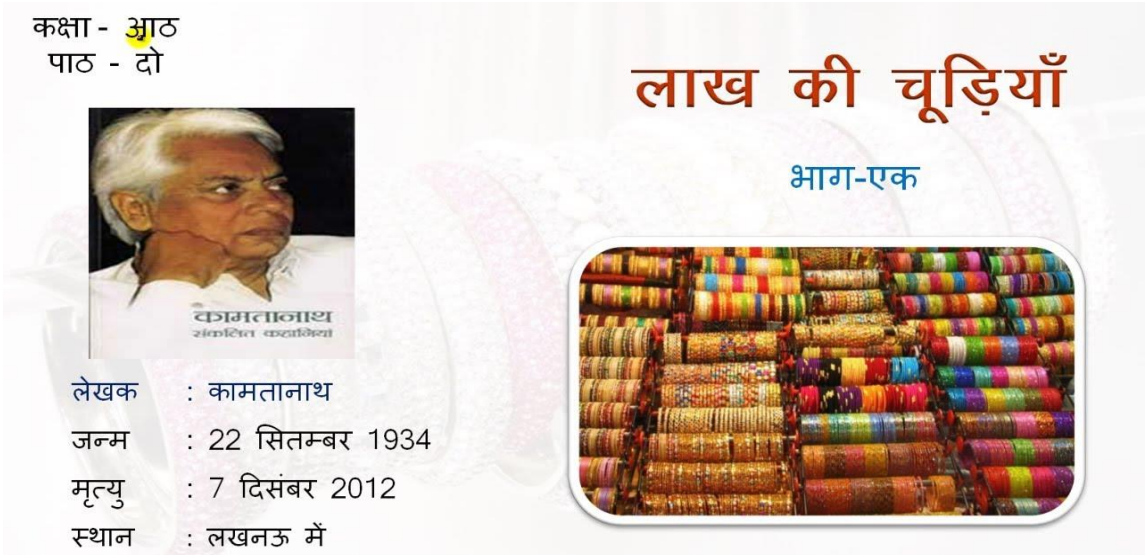

➢ लाख की चूड़ियाँ पाठ सार

इस पाठ के द्वारा लेखक कहते हैं कि बदलते समय का प्रभाव हर वस्तु पर पड़ता है। बदलू व्यवसाय से मनिहार है। वह अत्यंत आकर्षक चूड़ियाँ बनाता है। गाँव की स्त्रियाँ उसी की बनाई चूड़ियाँ पहनती हैं। बदलू को काँच की चूड़ियों से बहुत चिढ़ है। वह काँच की चूड़ियों की बड़ाई भी नहीं सुन सकता तथा कभी-कभी तो दो बातें सुनाने से भी नहीं चूकता ।लेखक अकसर गाँव जाता है तो बदलू काका से जरूर मिलता है क्योकि वह उसे लाख की गोलियां बनाकर देता है। परन्तु अपने पिता जी की बदली हो जाने की वजह से इस बार वह काफी दिनों बाद गाँव आता है।वह वहां औरतों को काँच की चूड़ियाँ पहने देखता है तो उसे लाख की चूड़ियों की याद हो आती है वह बदलू से मिलने उसके घर जाता है।बातचीत के दौरान बदलू उसे बताता है कि लाख की चूड़ियों का व्यवसाय मशीनी युग आने के कारण बंद हो गया है और काँच की चूड़ियों का प्रचलन बढ़ गया है।इस पाठ के द्वारा लेखक ने बदलू के स्वभाव, उसके सीधेपन और विनम्रता को दर्शाया है। अंत में लेखक यह भी मानता है कि काँच की चूड़ियों के आने से व्यवसाय में बहुत हानि हुई हो किन्तु बदलू का व्यक्तित्व काँच की चूड़ियों की तरह नाजुक नहीं था जो सरलता से टूट जाए।

➢ नए शब्द

1) लाख
2) मनिहार
3) पैतृक
4) खपत
5) पगड़ी
6) सलाख
7) मचिये
8) चाव
9) मोह
10) दहकती

➢ शब्दार्थ

1) लाख – लाह
2) सहन – आँगन
3) मनिहार– चूड़ी बनाने वाला
4) पैतृक – पिता सम्बन्धी
5) वास्तव – हकीकत
6) खपत – बिक्री
7) ढेरों – बहुत सारा
8) पगड़ी – पग
9) वृक्ष – पेड़
10) भट्टी – अँगीठी
11) दहकती –जलती
12) चौखट – लकड़ी का चौकोर टुकड़ा
13) सलाख – धातु की छड़
14) मुँगेरियाँ – गोल लकड़ी
15) मचिये – चौकोर खाट
16) चाव – ख़ुशी
17) मोह – आकर्षित

➢ सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) बंदलू कैसी चूड़ियाँ बनाता था?
(a) काँच की (b) सोने की
(c) लाख की (d) चाँदी की

2) बदलू कौन था?
(a) लोहार (b) सुनार
(c) मनिहार (d) बढ़ई

3) लेखक अधिकतर बदलू से कब मिलता था?
(a) रात में (b) सवेरे
(c) दोपहर में (d) शाम में

4) बदलू प्रतिदिन कितनी चूड़ियाँ बना लिया करता था?
(a) तीन-चार जोड़े (b) चार-पाँच जोड़े
(c) चार-छह जोड़े (d) छह-सात जोड़े

5) बेलन पर चढ़ी चूड़ियाँ बदलू को कैसी लगती थी?
(a) नई जैसी (b) नारी की कलाइयों जैसी
(c) बहुत सुंदर **(d) नववधू की कलाई पर सजी जैसी**

6) पिता की बदली होने का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?
(a) वह उदास हो गया **(b) वह मामा के घर न जा सका**
(c) उसे नए मित्र मिले (d) मामा का घर नजदीक हो गया

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 इस कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर - इस कहानी के लेखक कामतानाथ जी हैं।

प्रश्न-2 रज्जो कौन थी?

उत्तर - रज्जो बदलू की बेटी थी।

प्रश्न-3 लेखक ने पाठ में अपना क्या नाम बताया है?

उत्तर - लेखक ने पाठ में अपना नाम जनार्दन बताया है।

प्रश्न-4 बदलू को संसार में किस चीज़ से चीढ़ थी?

उत्तर - बदलू को संसार में सबसे ज़्यादा काँच की चूड़ियों से चीढ़ थी।

प्रश्न- 5 बदलू का स्वभाव कैसा था?

उत्तर - बदलू का स्वभाव बहुत सीधा था क्योंकि लेखक ने कभी भी उसे झगड़ते नहीं देखा था।

प्रश्न-6 बदलू अपना कार्य किस चीज़ पर बैठ कर करता था?

उत्तर - बदलू अपना कार्य एक मचिये पर बैठ कर करता था जो की बहुत पुरानी थी।

प्रश्न-7 गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर कहाँ बीतता?

उत्तर - गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता।

प्रश्न-8 बदलू कौन था?

उत्तर - बदलू एक मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनता था।

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी क्यों लगता था?

उत्तर सारे गाँव में लेखक को बदलू ही सबसे अच्छा आदमी इसलिए लगता था क्योंकि वह लेखक को सुंदर – सुंदर लाख की गोलियाँ बना कर देता था।

प्रश्न-2 लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने क्या परिवर्तन देखा?

उत्तर - लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने थीं।

प्रश्न-3 विवाह के अवसर पर बदलू को क्या - क्या मिलता था?

उत्तर - विवाह में उसके बनाए गए सुहाग के जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रूपये मिलते।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'मशीनी युग' ने कितने हाथ काट दिए हैं।' - इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है?

उत्तर - 'मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं'- इस पंक्ति में लेखक ने मशीनों के प्रयोग के कारण समाज में बढ़ती बेरोज़गारी और बेकारी की समस्या की ओर संकेत किया है।मशीनीकरण के कारण हस्तशिल्प पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। कारीगरों के पैतृक व्यवसाय बंद हो गए। लोग बेरोज़गार हो गए। मशीनों के आगमन से कारीगरों की रोज़ी रोटी का साधन ख़त्म हो गया।

प्रश्न-2 मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर - मशीनी युग के कारण बदलू का सुखी जीवन दुःख में बदल गया था। गाँव की सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहनने लगी थी। बदलू की कला को अब कोई महत्व नहीं

देता था। उसकी चूड़ियों की माँग अब नहीं रही थी। उसका व्यवसाय ठप पड़ गया था। शादी ब्याह से मिलने वाला अनाज, कपडे तथा अन्य उपहार उसे अब नहीं मिलते थे। उसकी आर्थिक हालत बिगड़ गई जिससे उसके स्वास्थ पर भी बुरा असर पड़ा।

लेखन -विभाग

पत्र लेखन

* **आपकी बड़ी बहन के विवाह पार अपने मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए |**

20/ कैलाश नगर
करोलबाग ,
दिल्ली |
दिनांक.....
प्रिय सखी
मधुरस्मृति

तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मेरी बड़ी बहन नेहा दीदी का शुभ विवाह 10 फरवरी 2022 को होना निश्चित हुआ है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि इस अवसर पर तुम भी यहाँ आ जाओ और कार्यक्रम में सम्मिलित हो।पत्र के साथ मैं कार्यक्रम संबंधी पूरी जानकारी भेज रही हूँ तथा एक निमंत्रण पत्र तुम्हारे माता-पिता के लिए भी संलग्न कर रही हूँ। मेरे माता-पिता की इच्छा है कि तुम्हारे माता-पिता भी इस अवसर पर पधारकर कृतार्थ करें। पत्र के उत्तर की प्रतीक्षा में।

तुम्हारी सखी
अंशु

- **गतिविधि** - पाठ में बताए गए लाख की चूड़ियों का अथवा बदलू काका का चित्र बनाए|

भारत की खोज

पाठ-1 अहमदनगर का किल्ला

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

1) नेहरुजी की यह कौन -सी जेल यात्रा थी ?

- नेहरुजी की यह नौवीं जेल यात्रा थी |

2) अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने कौन -सा कार्य आरंभ कर दिया ?

- अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने बागबानी करने का कार्य आरंभ कर दिया |

3) नेहरुजी का कितना समय बागबानी में बीतता था?

- नेहरुजी कई घंटो तक बागबानी का कार्य करते थे |

4) अहमदनगर के किल्ले के साथ जुड़ी हुई किस ऐतिहासिक घटना का जिक्र है ?

- अहमदनगर के किल्ले से जुड़ी चाँद बीबी नामक साहसी महिला की कहानी का जिक्र है |

5) नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम क्यों उठा ली ?

- जेल के अधिकारी आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देते थे , इसलिए नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम उठा ली |

6) गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में क्या कहा था ?

- गेटे के अनुसार -"ऐसा इतिहास -लेखन अतीत के भारी बोझ से किसी सीमा तक राहत दिलाता है|

7) नेहरुजी ने अपनी विरासत किसे माना है ?

- विषय की कठिनता और जटिलता को नेहरुजी ने अपनी विरासत माना है |

8) " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने कब और कहाँ लिखी थी ?

- " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने 13 अप्रैल , 1944 में लिखी थी |

9) अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी कैसी थी और इसको किसने उपजाऊ बना दिया ?

- अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी बहुत खराब थी - पथरीली और पुराने मलबे और अवशेषो से भरी हुई |

10) बागबानी के लिए खुदाई करते समय नेहरुजी को क्या मिला ?

- बागबानी के लिए खुदाई करते समय प्राचीन दीवारों के हिस्से और इमारतों के ऊपरी हिस्से मिले|

11) इस किल्ले की रक्षा के लिए किसने किसके विरुद्ध अपनी सेना का नेतृत्व किया ?

- इस किल्ले की रक्षा के लिए चाँद बीबी नाम की एक महिला ने अकबर की शाही सेना का विरुद्ध किया |

पाठ- 2 तलाश

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

1) नेहरू जी के मन में भारत के विषय में कौन -कौन से प्रश्न उठते थे ?

- वे सोचते थे कि आखिर यह भारत है क्या ? वह शक्ति कैसे खोता गया ? यह विश्व से अपना तालमेल किस रूप में बैठता है ? ये सारे प्रश्न नेहरू जी के मन में उठते थे |

2) हिमालय के हृदय से कौन -कौन सी नदियाँ निकली हैं ?

- हिमालय के हृदय से गंगा , यमुना , सिंधु , ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ निकली है |

3) नेहरू जी ने भारत को किस दृष्टि से देखना शुरू किया ?

- नेहरू जी ने भारत को एक आलोचक कि दृष्टि से देखना शुरू किया |

4) गंगा-यमुना के विषय में नेहरू जी ने क्या लिखा है ?

- गंगा-यमुना के विषय में नेहरू जी ने इतिहास के आरंभ से ही भारत के हृदय पर राजकिया है और लाखों की तादाद में लोगों को अपने तटों की ओर खींचा है |

5) नेहरू जी ने सिंधु घाटी-स्भ्यता के विषय में क्या कहा है ?

- नेहरू जी ने सिंधु घाटी सभ्यता के विषय में कहा है कि यह सभ्यता एवं संस्कृति पाँच -छ हजार या उससे भी अधिक समय तक परिवर्तनशील रहकर विकासमान रही और यह निरंतर कायम रही |

6) मोहजोदड़ो की सभ्यता कितने वर्ष पुरानी है?

(a) 3000 वर्ष **(b) 5000 वर्ष**
(c) 6000 वर्ष (d) 4000 वर्ष

7) सिंधु नदी का दूसरा नाम है?

(a) इंडस (b) इंडिया
(c) इंदु (d) इंद्रनील

8) एशिया की शक्ति कम होने पर कौन-सा द्वीप आगे बढ़ा?

(a) यूरोप (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) इंग्लैंड (d) इंडोनेशिया

9) भारत का कौन-सा वर्ग इस समय बदलाव की कामना करता था?

(a) निम्न वर्ग **(b) मध्यम वर्ग**
(c) उच्च वर्ग (d) शासक वर्ग

10) भारत का नाम किसके नाम पर पड़ा?

(a) राजा भारत **(b) राजा भरत**
(c) भरतमुनि (d) भारद्वाज

पाठ -3 बस की यात्रा

(लेखक - हरिशंकर परसाई)

* बस की यात्रा पाठ सार

एक बार लेखक अपने चार मित्रों के साथ बस से जबलपुर जाने वाली ट्रेन पकड़ने के लिए अपनी यात्रा बस से शुरु करने का फैसला लेते हैं। परन्तु कुछ लोग उसे इस बस से सफर न करने की सलाह देते हैं। नाजुक हालत देखकर लेखक की आँखों में बस के प्रति श्रद्धा के भाव आ जाते हैं। इंजन के स्टार्ट होते ही ऐसा लगता है की पूरी बस ही इंजन हो। सीट पर बैठकर वह सोचता है वह सीट पर बैठा है या सीट उसपर। कुछ समय की यात्रा के बाद बस रुक गई और पता चला कि पेट्रोल की टंकी में छेद हो गया है। ऐसी दशा देखकर वह सोचने लगा न जाने कब ब्रेक फेल हो जाए या स्टेयरिंग टूट जाए।आगे पेड़ और झील को देख कर सोचता है न जाने कब टकरा जाए या गोता लगा ले।अचानक बस फिर रुक जाती है। आत्मग्लानि से मनभर उठता है और विचार आता है कि क्यों इस वृद्धा पर सवार हो गए।इंजन ठीक हो जाने पर बस फिर चल पड़ती है किन्तु इस बार और धीरे चलती है।आगे पुलिया पर पहुँचते ही टायर पंचर हो जाता है। अब तो सब यात्री समय पर पहुँचने की उम्मीद छोड़ देते है तथा चिंता मुक्त होने के लिए हँसी-मजाक करने लगते है।अंत में लेखक डर का त्याग कर आनंद उठाने का प्रयास करते हैं तथा स्वयं को उस बस का एक हिस्सा स्वीकार कर सारे भय मन से निकाल देते हैं।

* नए शब्द

1) वयोवृद्ध
2) हाज़िर
3) रंक
4) सफ़र
5) गज़ब
6) निमित्त
7) ट्रेनिग
8) गुजर

* शब्दार्थ

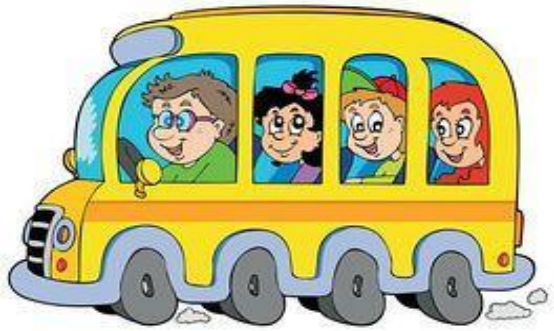

1) हाज़िर: उपस्थित
2) सफ़र: यात्रा
3) डाकिन: डराने वालीउमड़: जमा होना
4) वयोवृद्ध: बूढ़ी या पुरानी
5) निशान: चिन्ह
6) वृद्धावस्था: बुढ़ापा
7) कष्ट: परेशानी
8) सवार: चढ़ा
9) हिस्सेदार: साझेदार
10) गज़ब: आश्चर्य
11) रंक : गरीब
12) कूच करने: जाना
13) निमित्त: कारण

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) कुल कितने लोग शाम की बस से यात्रा करने वाले थे?
(a) तीन
(b) चार
(c) पाँच
(d) छह

2) इस पाठ के लेखक कौन हैं?
(a) भगवती चरण वर्मा
(b) राम दरश मित्र
(c) कामतानाथ
(d) हरिशंकर परसाई

3) पन्ना से सतना के लिए बस कितनी देर बाद मिलती है?
(a) आधा घंटा
(b) एक घंटे बाद
(c) दो घंटे बाद
(d) प्रातः काल

4) यह बस कहाँ की ट्रेन मिला देती है?
(a) सतना की
(b) पन्ना की
(c) जबलपुर की
(d) भोपाल की

5) उस बस में कंपनी के कौन सवार थे?
(a) चौकीदार
(b) हिस्सेदार
(c) दावेदार
(d) इनमें से कोई नहीं

6) लेखक हरे-भरे पेड़ों को क्या समझता था?
(a) जीवनदाता
(b) मित्र
(c) शत्रु
(d) शुभचिंतक

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 लेखक को क्या देखकर लगा कि बस इसमें गोता लगाएगी?

उत्तर - झील

प्रश्न-2 लेखक ने बस को कैसी अवस्था में बताया?

उत्तर – वृद्धावस्था

प्रश्न-3 लेखक और उसके मित्र कुल कितने सदस्य थे, जिन्हें बस की यात्रा करनी थी?

उत्तर - पाँच

प्रश्न-4 पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक कौन हैं?

उत्तर – पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक हरिशंकर परसाई जी हैं।

प्रश्न-6 पहली बार बस किस कारण रुकी?

उत्तर - पेट्रोल की टंकी में छेद होने के कारण पहली बार बस रुकी।

प्रश्न-7 कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए क्या कहा?

उत्तर - कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए कहा - बस तो फर्स्ट क्लास है जी !

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को कैसा लगा?

उत्तर - विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को लगा कि जैसे वह मरने के लिए जा रहा हो और लोग उसे अंतिम विदाई देने आए हों।

प्रश्न-2 आशय स्पष्ट कीजिए -'आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।'

उत्तर – इस कथन का आशय यह है कि मनुष्य को इस संसार को त्यागने अर्थात मरने के लिए एक साधन की आवश्यकता होती है। यहाँ वह साधन बस है जिसमें कि लेखक और उसके मित्र यात्रा कर रहे हैं।

प्रश्न-3 लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

उत्तर – बस में जब पहली बार खराबी आई तो लेखक को चिंता हुई, पर जब खटारा बस में एक के बाद एक समस्या उत्पन्न होती गई तो अंत में लेखक ने समय से पन्ना पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी और परिस्थिति से समझौता कर लिया। इसलिए लेखक की चिंता जाती रही।

प्रश्न-4 लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा। लेखक को ऐसा क्यों लगा कि हिस्सेदार की योग्यता का सही उपयोग नहीं हो रहा है?

उत्तर –इस व्यंग्य कथन के माध्यम से लेखक ने कहा है कि बस कंपनी के हिस्सेदार को मालूम था कि बस के टायर घिसे - पिटे हैं और कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उसे न तो स्वंय की जान की परवाह थी और न ही यात्रियों की जान की। उसने टायर बदलने का ज़रा विचार नहीं किया।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न- 1 सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है?

उत्तर - 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' १९३० में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेज़ी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी। लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है।

प्रश्न-2 "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।" लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर - बस की हालत बहुत खराब थी। उसका सारा ढाँचा बुरी हालत में था, अधिकतर शीशें टूटे पड़े थे। इंजन और बस की बॉडी का तो कोई तालमेल नहीं था। बस का कोई भरोसा नहीं था कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता। कई लोग पहले भी उस बस से सफ़र कर चुके थे। वो अपने अनुभवों के आधार पर ही लेखक व उसके मित्र को बस में न बैठने की सलाह दे रहे थे। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह थी।

व्याकरण

क्रिया विशेषण

परिभाषा – जिस शब्द से क्रिया की विशेषता प्रकट हो, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।

क्रिया-विशेषण के भेद

1)**स्थानवाचक क्रिया-विशेषण** - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के स्थान का पता चले उसे स्थानवाच क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ, सामने, नीचे, ऊपर, आगे, भीतर, बाहर, दूर, पास, अंदर, किधर, इस ओर, उस ओर, इधर, उधर, जिधर, दाएँ, बाएँ, दाहिने आदि।

उदाहरण -

(i) बच्चे ऊपर खेलते हैं।

(ii) अब वहाँ अकेला मजदूर था।

(iii) तुम बाहर बैठो।

(iv) वह ऊपर बैठा है।

ii. कालवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के समय का पता चलता है, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - आज, कल, परसों, पहले, अब तक, अभी-अभी, लगातार, बार-बार, प्रतिदिन, अक्सर, बाद में, जब, तब, अभी, कभी, नित्य, सदा, तुरंत, आजकल, कई बार, हर बार आदि।

उदाहरण -

(i) आज बरसात होगी।

(ii) राम कल मेरे घर आएगा।

(iii) वह कल आया था।

(iv) तुम अब जा सकते हो।

iii. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के परिमाण और उसकी संख्या का पता चलता है, उसे परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - बहुत, अधिक, पूर्णतया, कुछ, थोडा, काफी, केवल, इतना, उतना, कितना, थोडा-थोडा, एक-एक करके, जरा, खूब, बिलकुल, ज्यादा, अल्प, बड़ा, भारी, लगभग, क्रमशः आदि।

उदाहरण -

(i) अधिक पढो।

(ii) ज्यादा सुनो।

(iii) कम बोलो।

(iv) अधिक पियो।

iv. रीतिवाचक क्रियाविशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया की रीति या विधि का पता चलता है, उसे रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - सचमुच, ठीक, अवश्य, कदाचित, ऐसे, वैसे, सहसा, तेज, सच, झूठ, धीरे,ध्यानपूर्वक, हंसते हुए, तेजी से, फटाफट आदि।

उदाहरण -

(i) अचानक काले बादल घिर आए।

(ii) हरीश ध्यान पूर्वक पढ़ रहा है।

(iii) रमेश धीरे -धीरे चलता है।

(iv) वह तेज भागता है।

(v) कछुआ धीरे-धीरे चलता है।

लेखन-विभाग

बिजली की बार-बार कटौती से उत्पन्न स्थिति से परेशान महिलाओं की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

उत्तरः तनु – क्या बात है विभा? कुछ परेशान-सी दिख रही हो?
विभा – क्या कहूँ तनु, बिजली की कटौती से परेशान हूँ।
तनु – ठीक कह रही हो बहन, बिजली कब कट जाए, कुछ कह ही नहीं सकते हैं।
विभा – तनु, बिजली न होने से आज तो घर में बूंदभर भी पानी नहीं है। समझ में नहीं आता, नहाऊँ कैसे, बरतन कैसे धोऊँ।
तनु – आज सवेरे बच्चों को तैयार करके स्कूल भेजने में बड़ी परेशानी हुई।
विभा – यह तो रोज़ का नियम बन गया है। सुबह-शाम बिजली कट जाने से घरेलू कामों में बड़ी परेशानी होने लगी है।
तनु – दिनभर ऑफिस से थककर आओ कि घर कुछ आराम मिलेगा, पर हमारा चैन बिजली ने छीन लिया है।
विभा – अगले सप्ताह से बच्चों की परीक्षाएँ हैं। मैं तो परेशान हूँ कि उनकी तैयारी कैसे कराऊँगी?
तनु – चलो आज बिजली विभाग को शिकायत करते हुए ऑफिस चलेंगे।
विभा – यह बिलकुल ठीक रहेगा।

* **गतिविधि** - आप किसी यात्रा पर गए होंगे उस पर दस- बारह वाक्य लिखिए |

कविता-4 दिवानों की हस्ती

(कवि - भगवतीचरण वर्मा)

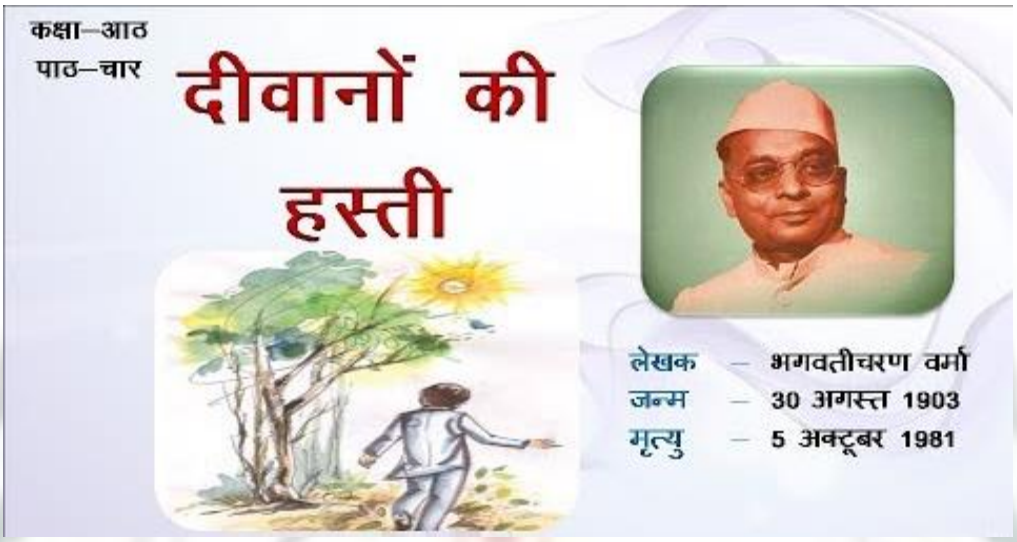

* दीवानों की हस्ती पाठ सार

प्रस्तुत कविता में कवि का मस्त-मौला और बेफिक्री का स्वभाव दिखाया गया है । मस्त-मौला स्वभाव का व्यक्ति जहां जाता है खुशियाँ फैलाता है। वह हर रूप में प्रसन्नता देनेवाला है चाहे वह ख़ुशी हो या आँखों में आया आँसू हो। कवि 'बहते पानी-रमते जोगी' वालीकहावत के अनुसार एक जगह नहीं टिकते। वह कुछ यादें संसार को देकर और कुछ यादें लेकर अपने नये-नये सफर पर चलते रहते है | वह सुख और दुःख को समझकर एक भाव से स्वीकार करते हैं। कवि संसारिक नहीं हैं वे दीवाने हैं। वह संसार के सभी बंधनों से मुक्त हैं। इसलिए संसार में कोई अपना कोई पराया नहीं है। जिस जीवन को उन्होने खुद चुना है उससे वे प्रसन्न हैं और सदा चलते रहना चाहते हैं।

* नए शब्द

1) आलम
2) जग
3) हस्ती
4) स्वच्छंद
5) उर
6) आबाद

* शब्दार्थ

1) हस्ती:अस्तित्व
2) मस्ती:मौज
3) आलम:दुनिया
4) उल्लास: ख़ुशी
5) दीवानों: अपनी मस्ती में रहने वाले
6) भाव: एहसास
7) जग: संसार
8) भिखमंगों: भिखारियों
9) स्वच्छंद: आजाद
10) निसानी: चिन्ह
11) उर: ह्रदय
12) भार: बोझ
13) आबाद: बसना
14) स्वयं: खुद

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'दीवानों की हस्ती' कविता के रचयिता कौन हैं?
   (a) महादेवी वर्मा **(b) भगवतीचरण वर्मा**
   (c) सुभाष गताडे (d) जया जादवानी
2) इस कविता में किसकी हस्ती की बात कही गई है?
   (a) कवि की (b) दीवानों की
   (c) आम लोगों की (d) सभी की
3) मस्ती भरा जीवन जीने वाले लोगों के बीच क्या बन जाते हैं ?
   (a) आदर्श (b) शोक
   (c) मेहमान **(d) उल्लास**
4) वे संसार से कैसा भाव रखते हैं?
   (a) मैत्रीभाव का **(b) समान भाव का**
   (c) ईर्ष्या भाव का (d) भावुकता से भरा भाव
5) बलि-वीरों के मन में बलि होने की चाहत किसके लिए है?
   (a) परिवार के लिए (b) राज्य के लिए
   (c) देश के लिए (d) अपने-आप के लिए
6) यह दुनिया किनकी है?
   (a) भिखमंगों की (b) दीवानों की
   (c) कवि की (d) सभी की

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?

उत्तर – कवि सुख और दुःख को समान भाव से ग्रहण करता है।

प्रश्न-2 कवि किस बात के लिए संघर्षरत रहता है?

उत्तर - कवि समाज की भलाई के लिए हमेशा संघर्षरत रहता है।

प्रश्न-3 कवि सुख - दुःख की भावना से निर्लिप्त क्यों है?

उत्तर - कवि सुख - दुःख की भावना से इसलिए निर्लिप्त है क्योंकि वह सुख और दुःख को समान भाव से देखता है।

प्रश्न-4 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

उत्तर - कवि समाज में व्याप्त बुराइयों, रूढ़िग्रस्त रीती रिवाज़ों के परंपरागत बंधनों को तोड़ने की बात कह रहा है।

प्रश्न-5 कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने दुनियाँ को भिखमंगा इसलिए कहा है क्योंकि दुनिया में सभी लोग एक दूसरे से कुछ न कुछ माँगते रहते हैं।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।

उत्तर कवि स्वंय सांसारिक बंधनों से बंधकरआया था परन्तु वह अब सांसारिकता के सभी बंधनों को अपनी इच्छा से तोड़कर स्वच्छंद जीना चाहता है।

प्रश्न-2 कवि ने अपने आप को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तरकवि ने अपने आप को दीवाना इसलिए कहा है क्योंकि वह मस्तमौला है। उसे किसी बात की फिक्र नहीं है। वह अपनी मस्ती में ही बिना किसी मंज़िल के आगे बढ़ा चला जा रहा है।

प्रश्न-3 कवि ने अपने जीवन को मस्त क्यों कहा है?

उत्तर -कवि को दुनिया की कोई परवाह नहीं है। न उसे किसी बात का दुःख है और ना ही किसी बात की खुशी। उसका रुकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। यही कारण है की कवि ने अपने जीवन को मस्त कहा है।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने अपने आने को 'उल्लास' इसलिए कहा है क्योंकि उसके आने पर लोगों में जोश तथा ख़ुशी का संचार होता है। कवि लोगों में खुशियाँ बाटता है। इसी कारण लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं। पर जब वह उस स्थान को छोड़ कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है। विदाई के क्षणों में उनकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।

व्याकरण

लेखन -विभाग

अनुच्छेद

➢ **त्योहारों का महत्त्व**

संकेत बिंदु.-

- विभिन्न क्षेत्रों के अपनेअपने त्योहार-
- विभिन्न प्रकार के त्योहार
- त्योहारों का महत्त्व

- त्योहारों के स्वरूप में परिवर्तन

भारत त्योहारों एवं पर्यों का देश है। शायद ही कोई महीना या ऋतु हो, जब कोईकोई त्योहार -न- मनाया जाता हो। भारत एक विशाल देश है। यहाँ की विव नधिता के कारण ही विविध प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। यहाँ परंपरा और मान्यता के अनुसार नागपंचमी, रक्षाबंधन, दीपावली, दशहरा, होली, ईद, पोंगल, गरबा, वसंत पंचमी, बैसाखी आदि त्योहार मनाए जाते हैं। इसके अलावा कुछ त्योहारों को सारा देश मिलकर एक साथ मनाता है। ऐसे त्योहारों को राष्ट्रीय पर्व कहा जाता है। इन पर्यों में स्वतंत्रता दिवस, . गणतंत्र दिवस तथा गांधी जयंती प्रमुख हैं। ये त्योहार हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ये त्योहार जहाँ भाईचारा-, प्रेमसद्भाव तथा सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाते हैं, वहीं राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम और देशभक्ति की भावना को भी प्रगाढ़ करते हैं। इनसे हमारी सांस्कृतिक गरिमा सुरक्षित रहती है। वर्तमान में इन त्योहारों के स्वरूप में पर्याप्त बदलाव आ गया है। रक्षाबंधन के पवित्र अभिमंत्रित धागों का स्थान बाज़ारू राखी ने, मिट्टी के दीपों की जगह बिजली के बल्बों ने तथा होली के प्रेम और प्यार भरे रंगों की जगह कीचड़, कालिख और पेंट ने ले लिया है। आज इन त्योहारों को सादगी एवं पवित्रता से मनाने की आवश्यकता है।

*** गतिविधि - कविता में दिया गया चित्र बनाए |**

भारत की खोज

पाठ -3 सिंधु घाटी सभ्यता

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

1) भारत के अतीत की सबसे पहली तस्वीर कहाँ मिलती है ?

- भारत के अतीत की सबसे पहली तस्वीर सिंधु घाटी की सभ्यता में मिली |

2) सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में क्या अनुमान लगाया जा सकता है ?

- सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है कि यह सभ्यता पूरी तरह से विकसित थी |

3) आर्य कौन थे ? वे कहाँ से आए थे ?

- आर्य द्रविड़ जाति से ही बने हुए थे | आर्य मोहेंजोदारों के समय से कई हजार वर्ष पूर्व भारत आए होंगे |

4) तक्षशिला के अवशेष कितने प्राचीन थे?

- तक्षशिला के अवशेष दो हज़ार वर्ष पूर्व प्राचीन थे |

5) सिंधु घाटी सभ्यता कितनी प्राचीन है?

- सिंधु घाटी सभ्यता छह-सात हज़ार वर्ष पूर्व प्राचीन है |

6) आर्यों की मुख्य जीविका क्या थी?

- आर्यों कि मुख्य जीविका कृषि थी |

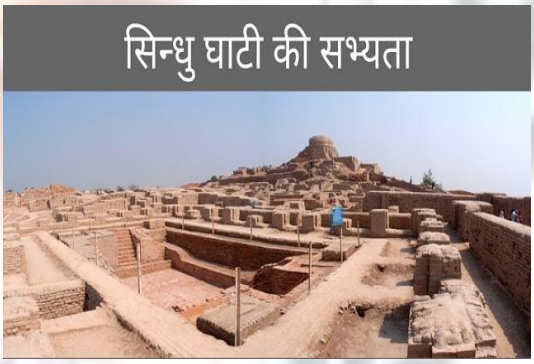

7) ऋगवेद की रचना कितने साल पुरानी है?

- 1500 ईसा पूर्व

8) किस वेद की उत्पत्ति सबसे पहले हुई थी?

- ऋगवेद कि उत्पति सबसे पहले हुयी थी |

9) 'अर्थशास्त्र' की रचना कब हुई थी?

- ई.पू. चौथी शताब्दी

10) भारत के दो प्रमुख महाकाव्यों का नाम बताइए।

- रामायण व महाभारत

11) प्राचीन समय में भारत की राजधानी थी।

(a) लखनऊ (b) कानपुर

(c) जम्मू **(d) इंद्रप्रस्थ**

12) इनमें महाभारत का मुख्य भाग कौन-सा है?

(a) पुराण (b) गीता

(c) रामायण **(d) भगवद्गीता**

13) सबसे पहले प्राचीन काल में किस लिपि का निर्माण हुआ?

(a) देवनागरी **(b) ब्राह्मी लिपि**

(c) रोमन लिपि (d) गुरुमुखी

पाठ -5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया
(लेखक - अरविंद कुमार सिंह)

* चिट्ठियों की अनूठी दुनिया पाठ सार

लेखक 'पत्र' की महत्ता बताते हैं की आज का युग वैज्ञानिक युग है। मनुष्य के पास अनेक संचार के साधन हैं फिर भी मनुष्य पत्रों का सहारा जरूर लेता है। वे कहते हैं इनके नाम भी भाषा के अनुसार अलग-अलग हैं। तेलगू में उत्तरम, कन्नड़ में कागद, संस्कृत में पत्र, उर्दू में खत, तमिल में कडिद कहा जाता है। आज भी कई लोग अपने पुरखों के पत्र सहेजकर रखें हैं। हमारे सैनिक अपने घर वालों के पत्रों का इंतजार बड़ी बेसब्री से करते हैं।पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी पत्र के महत्त्व को माना है। लेखक कहते हैं कि २०वीं शताब्दी में पत्र केवल संचार का साधन ही नहीं अपितु एक कला मानी गई है। मोबाइल से प्राप्त एसमएस तो लोग मिटा देते हैं परन्तु पत्र हमेशा सहेज कर रखते हैं। चाहे गरीब हो या अमीर सभी को अपने प्रियजनों से प्राप्त पत्र का इन्तजार रहता है। गरीब बस्ती में तो मनीऑर्डर लेकर आने वाले डाकिए को लोग देवता समझते हैं। अंत में वे कहते हैं कि अत्यधिक संचार साधनों के होने के बावजूद भी पत्रों की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

* नए शब्द

1) देहाती
2) दायरा
3) शताब्दी
4) प्रयास
5) पुरखों
6) अनुसंधान
7) केंद्रित
8) अनूठी
9) हरकारे
10) मिसाल

* शब्दार्थ

1) सिलसिला: चलन
2) विवाद: झगड़ा
3) दुनिया: संसार
4) तमाम: बहुत
5) केंद्रित:आधारित
6) अनूठी: अलग
7) तह: गहराई
8) ठिकानों: जगह
9) देहाती: गाँव
10) सहेजकर: संभालकर
11) विकसित: बढ़ावा
12) संदेह: शक
13) संस्कृति: परम्परा
14) दायरा: सीमा
15) हरकारे: दूत
16) मिसाल: उदहारण
17) अनुसंधान: खोज

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) पत्रों ने किन-किन क्षेत्रों को प्रभावित किया है?

(a) कला के क्षेत्र को
(b) राजनीति के क्षेत्र को
(c) साहित्य के क्षेत्र को
(d) उपर्युक्त सभी

2) संदेश पहुँचाने का काम कौन शीघ्र करने लगा?

(a) घोड़े (b) वायुयान
(c) रेलवे और तार (d) पत्र

3) भारत वर्ष में लगभग कितनी चिट्ठियाँ डाली जाती हैं?

(a) साढ़े तीन करोड़ (b) साढ़े पाँच करोड़
(c) साढ़े चार करोड़ (d) साढ़े छह करोड़

4) कन्नड़ भाषा में पत्र को क्या कहते हैं

(a) कागद (b) उत्तरम्
(c) खत (d) कडिद

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 संचार के कुछ आधुनिक साधन लिखिए।

उत्तर – फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन, मोबाइल आदि संचार के कुछ आधुनिक साधन हैं।

प्रश्न-2 चिठ्ठियों की तेजी को किसने प्रभावित किया है?

उत्तर - तार तथा रेलवे ने चिठ्ठियों की तेजी को बढ़ाया वहीं फैक्स, ईमेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ने चिठ्ठियों की तेजी को रोका है।

प्रश्न-3 आज़ादी के समय में पत्रों ने किस प्रकार भूमिका निभाई?

उत्तर आज़ादी के आंदोलन की कई अन्य दिग्गज हस्तियों के संदेश को जन - जन तक पहुँचाने में पत्र सहायक सिद्ध हुए।

प्रश्न-4 गाँवों या गरीब बस्तियों में किसे देवदूत के रूप में देखा जाता है?

उत्तर - गाँवों या गरीब बस्तियों में चिठ्ठी या मनीऑडर लेकर पहुँचने वाला डाकिया देवदूत के रूप में देखा जाता है।

प्रश्न-5 पत्र को उर्दू, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु तथा तमिल में क्या कहा जाता है?

उत्तर – पत्र को उर्दू में खत, संस्कृत में पत्र, कन्नड़ में कागद, तेलुगु में उत्तरम, जाबू और तथा तमिल में कडिद कहा जाता है।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 विश्व डाक संघ की ओर से सन् 1972 से किस प्रतियोगिता का सिलसिला शुरू किया गया?

उत्तर – विश्व डाक संघ की ओर से 16 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित करने का कार्यक्रम सन् 1972 से शुरू किया गया।

प्रश्न-2 पुराने समय में पत्रों का अधिक महत्व क्यों था?

उत्तर – पुराने समय में अन्य संचार साधनों के आभाव होने के कारण पत्रों का अधिक महत्व था। उस समय में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी किसी को पत्र न लिखा या न लिखाया हो या पत्रों का बेसब्री से इंतजार न किया हो।

प्रश्न-3 किसी के लिए बिना टिकट सादे लिफ़ाफ़े पर सही पता लिखकर पत्र बैरंग भेजने पर कौन- सी कठिनाई आ सकती है?

उत्तर - बिना टिकट सादे लिफ़ाफ़े पर सही पता लिखकर पत्र बैरंग भेजने पर पत्र को पाने वाले व्यक्ति को टिकट की धनराशि जुर्माने के रूप में देनी होगी तभी उसे पत्र दिया जाएगा। अन्यथा पत्र वापस चला जाए गा।

प्रश्न-4 ऐसा क्यों होता था कि महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी - इंडिया' पता लिखकर आते थे?

उत्तर - महात्मा गाँधी को दुनिया भर से पत्र 'महात्मा गांधी - इंडिया' पता लिखकर आते थे क्योंकि वह अपने समय के सर्वाधिक लोकप्रिय व्यक्ति थे। गाँधी जी कही भी रहे, यह सभी देशवासियों को पता होता था। इसलिए उनको पत्र अवश्य मिल जाता था।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 क्या चिट्ठियों की जगह कभी फैक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल ले सकते हैं?

उत्तर - पत्रों का चलन न कभी कम हुआ था, न कभी कम होगा। चिट्ठियों की जगह कोई नहीं ले सकता है। पत्र लेखन एक साहित्यिक कला है परन्तु फेक्स, ई-मेल, टेलीफोन तथा मोबाइल जैसे तकनीकी माध्यम केवल काम-काज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं। आज ये आवश्यकताओं में आते हैं फिर भी ये पत्र का स्थान नहीं ले सकते हैं।

प्रश्न-2 पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है, कैसे?

उत्तर - पिन कोड किसी खास क्षेत्र को संबोधित करता है कि यह पत्र किस राज्य के किस क्षेत्र का है। इसके साथ व्यक्ति का नाम और नंबर आदि भी लिखना पड़ता है।पिन कोड का पूरा रूप है पोस्टल इंडेक्स नंबर। यह 6 अंको का होता है। हर एक का खास स्थानीय अर्थ होता है, जैसे - १ अंक राज्य, २ और ३ अंक उपक्षेत्र, अन्य अंक क्रमशः डाकघर

आदि के होते है। इस प्रकार पिन कोड भी संख्याओं में लिखा गया एक पता है।

व्याकरण

वाक्य

मनुष्य अपने भावों या विचारों को वाक्य में ही प्रकट करता है। वाक्य सार्थक शब्दों के व्यवस्थित और क्रमबद्ध समूह से बनते हैं, जो किसी विचार को पूर्ण रूप से प्रकट करते हैं।अर्थ प्रकट करने वाले सार्थक शब्दों के व्यवस्थित समूह को वाक्य कहते हैं|

जैसे-ओजस्व कमरे में टी.वी. देख रहा है।

वाक्य के अंग – वाक्य के दो अंग होते हैं।

- उद्देश्य
- विधेय

1. **उद्देश्य** – वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं; जैसे
   - राजा खाता है।
   - पक्षी डाल पर बैठा है।

   इन वाक्यों में राजा और पक्षी उद्देश्य हैं।
2. **विधेय** – उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं; जैसे
   - राजा खाता है।
   - पक्षी डाल पर बैठा है।

   इन वाक्यों में खाता है, और डाल पर बैठा है, विधेय है।

वाक्य के भेद

वाक्य के निम्नलिखित दो भेद होते हैं।

- रचना के आधार पर
- अर्थ के आधार पर

1. रचना के आधार पर वाक्य के भेद

रचना के अनुसार वाक्य के तीन प्रकार होते हैं

- सरल वाक्य
- संयुक्त वाक्य
- मिश्रित वाक्य

(i) सरल वाक्य – जिस वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय होता है, उसे सरल वाक्य कहते हैं; जैसे

- अंशु पढ़ रही है।
- पिता जी अखबार पढ़ रहे हैं।

(ii) संयुक्त वाक्य – जिस वाक्य में दो या दो से अधिक स्वतंत्र वाक्य समुच्चयबोधक शब्द से जुड़े रहते हैं, वह संयुक्त वाक्य कहलाता है; जैसे

- नेहा गा रही है और अंशु नाच रही है।

उपर्युक्त वाक्य में दो सरल वाक्य और से जुड़े हुए हैं और समुच्चयबोधक हटाने पर ये स्वतंत्र वाक्य बन जाते हैं।

(iii) मिश्रवाक्य – जिस वाक्य में एक प्रधान वाक्य होता है और अन्य वाक्य उस पर आश्रित या गौण होते हैं, उसे मिश्रित वाक्य कहते हैं; जैसे

- जो कल घर आया था, वह बाहर खड़ा है।

- कोमल विद्यालय नहीं जा सकी, क्योंकि वह बीमार है।

उपर्युक्त पहले और दूसरे वाक्य में जो कल घर आया था तथा कोमल विद्यालये नहीं जा सकी प्रधान उपवाक्य हैं, जो क्रमशः वह बाहर खड़ा है तथा क्योंकि वह बीमार है, आश्रित उपवाक्यों से जुड़े हैं। अतः ये मिश्र वाक्य हैं।

2. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

अर्थ के अनुसार वाक्य आठ प्रकार के होते हैं

1. विधानवाचक
2. निषेधवाचक
3. इच्छावाचक
4. प्रश्नवाचक
5. आज्ञावाचक
6. संकेतवाचक
7. विस्मयसूचक
8. संदेहवाचक

1. **विधानवाचक** – जिस वाक्य में किसी बात का होना या करना पाया जाए, वह विधानवाचक वाक्य कहलाता है;

जैसे

- वह मेरा मित्र है।
- अंशु अपना कार्य करती है।

2. **'निषेधवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में किसी बात या काम के न होने का बोध हो , वह निषेधात्मक वाक्य कहलाता है;

जैसे-

- उसने खाना नहीं खाया।

3. **प्रश्नवाचक वाक्य**-जिसे वाक्य का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाए, उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं;

जैसे

- आप कहाँ रहते हैं?
- तुम क्या पढ़ रहे हो?

4. **आज्ञावाचक वाक्य**-जिस वाक्य से आज्ञा तथा उपदेश को बोध होता है, वह आज्ञावाचक वाक्य कहलाता है,

जैसे

- तुम यहाँ से चले जाओ।
- अपना कमरा साफ़ करो।

5. **विस्मयादिवाचक वाक्य**-जिस वाक्य के द्वारा शोक, हर्ष, आश्चर्य आदि के भाव प्रकट होते हैं, वह विस्मयादिवाचक वाक्य कहलाता है; जैसे

- वाह! क्या दृश्य है।
- अरे! यह क्या कर डाला।

6. **संदेहवाचक वाक्य**-जिस वाक्य में किसी कार्य के होने के बारे में संदेह प्रकट किया जाता है, उसे संदेहवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे

- वह शायद ही यह काम करे
- वह जयपुर चला गया होगा।

7. **इच्छावाचक वाक्य**-जिस वाक्य से किसी आशीर्वाद, कामना, इच्छा आदि का बोध हो, उसे इच्छावाचक वाक्य कहते हैं; जैसे

- ईश्वर तुम्हें दीर्घायु बनाए।
- जुग-जुग जियो।

8. संकेतवाचक वाक्य-जिस वाक्य में संकेत या शर्त हो, उसे संकेतवाचक वाक्य कहते हैं। जैसे

- यदि वर्षा होती तो फ़सल अच्छी होती।
- वर्षा हुई तो गरमी कम हो जाएगी।

लेखन -विभाग

अनुच्छेद

* वन और पर्यावरण का सम्बन्ध

संकेत-बिंदु -

वन प्रदुषण-निवारण में सहायक,

वनों की उपयोगिता,

वन संरक्षण की आवश्यकता,

वन संरक्षण के उपाय।

वन और पर्यावरण का बहुत गहरा सम्बन्ध है। प्रकृति के संतुलन को बनाये रखने के लिए पृथ्वी के 33% भाग को अवश्य हरा-भरा होना चाहिए। वन जीवनदायक हैं। ये वर्षा कराने में सहायक होते हैं। धरती की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं। वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है। इससे ध्वनि प्रदुषण की भयंकर समस्या से भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के भण्डार हैं। वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं। आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23 % वन बचे हैं। जैसे-जैसे उद्योगों को संख्या बढ़ रही है, शहरीकरण हो रहा है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। वन संरक्षण एक कठिन एवं महत्वपूर्ण काम है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा। अपने घर-मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण को बढाकर इसको एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। तभी हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएँगे।

* **गतिविधि - पत्र- पेटिका का चित्र बनाए |**

कविता -6 भगवान के डाकिए

(कवि - रामधारी सिंह दिनकर)

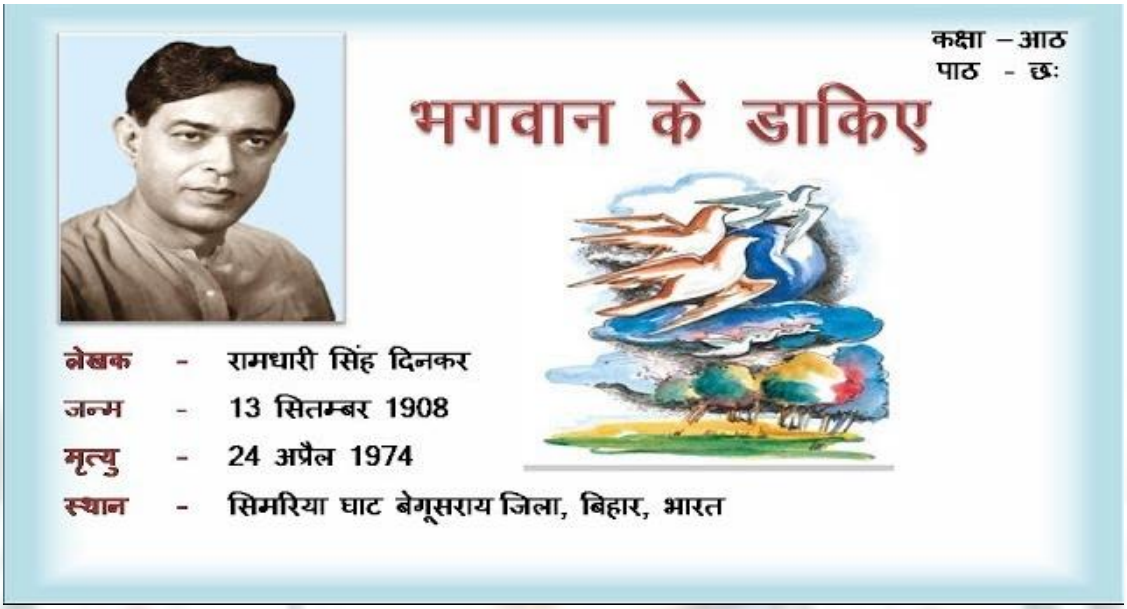

*** भगवान के डाकिए पाठ सार**

इस कविता में "दिनकर" जी बताते है की पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं जो एक विशाल देशका सन्देश लेकर दूसरे विशाल देश को जाते हैं। उनके लाये पत्र हम नहीं समझ पाते मगर पेड़-पौधे, जल और पहाड़ पढ़ लेते हैं। यहाँ कवि ने बादलों को हवा में और पक्षियों को पंखो पर तैरते दिखाया है। वे कहते है की एक देश की सुगन्धित हवा दूसरे देश पक्षियों के पंखों द्वारा पहुँचती है। इसी प्रकार बादलों के द्वारा एक देश का भाप दूसरे देश में वर्षा बनकर गिरता है।

*** नए शब्द**

1) बाँचते
2) आँकत
3) सौरभ
4) तिरता
5) भाप

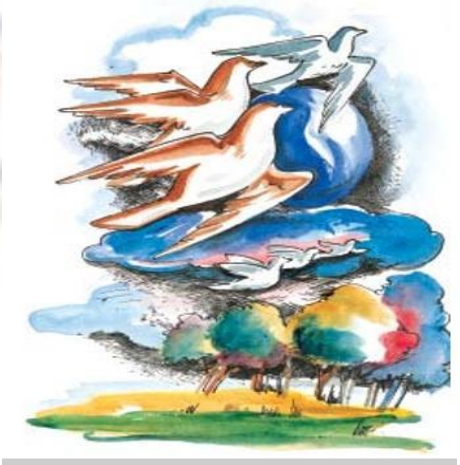

*** शब्दार्थ**

1) डाकिए: सन्देश देने वाला
2) महादेश: विशाल देश
3) बाँचते: पढ़ना
4) आँकत: अनुमान
5) धरती: पृथ्वी

6) सौरभ: खुशबू
7) पाँखों: पँख
8) चिट्ठियाँ: पत्र
9) केवल: सिर्फ
10) तिरता: तैरता
11) भाप: वाष्प

* **सही विकल्प चुनकर लिखिए |**

1) भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?
(a) आपसी प्रेम का
(b) विश्वबंधुत्व का
(c) भेद-भाव न करने का
(d) निरंतर आगे बढ़ने का

2) एक देश की धरती द्वारा भेजा गया सौरभ दूसरे देश की धरती तक कैसे पहुँचता है?
(a) हवा से
(b) फूल से
(c) धूल से
(d) सुगंध

3) 'भगवान के डाकिए' द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौन नहीं पढ़ सकता है?
(a) इंसान
(b) पेड़-पौधे
(c) पानी
(d) पहाड़

* **अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

प्रश्न-1 'भगवान के डाकिए' कविता के रचयिता कौन हैं?
उत्तर - 'भगवान के डाकिए' कविता के रचयिता रामधारी सिंह 'दिनकर' जी हैं।

प्रश्न-2 क्या बादल सीमाओं को मानते हैं?
उत्तर - नहीं, बादल सीमाओं को नहीं मानते हैं।

प्रश्न-3 भगवान के डाकिए किन्हें कहा गया है?
उत्तर - भगवान के डाकिए पक्षी और बादल को कहा गया है।

प्रश्न-4 इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?
उत्तर - एकता, भाईचारे और सप्रेम से मिलजुलकर रहने का संदेश देना चाहता है।

प्रश्न-5 बादल और पक्षी क्या संदेश लेकर आते हैं?
उत्तर - बादल और पक्षी प्रकृति में होने वाले परिवर्तन का संदेश लेकर आते हैं।

* **लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

प्रश्न-1 "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है"-कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भाव का संदेश भेजती है। धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगंध को हवा से और पानी को बादलों के रूप में भेजती है। हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेमप्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जाती है। इस प्रकार एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

प्रश्न-2 कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है?

उत्तर - कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए बताया है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। इन संदेशों को मनुष्य इतनी आसानी से नहीं पढ़ अथवा समझ पाते परन्तु पेड़ - पौधे, नदी - सागर आदि इनके संदेशों को बड़ी सरलता से पढ़ लेते हैं।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

उत्तर – पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधें, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। तभी तो नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने जल को बाँटती है। पहाड़ भी सामान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। हवा भी समान भाव से बहती हुई अपनी ठंडक, शीतलता व सुगन्ध को बाँटती है। पेड़-पौधें भी समान भाव से अपने फल, फूल व सुगन्ध को बाँटते हैं। ये सभी कभी भेदभाव नही करते। मानव को भी इनसे प्रेरणा लेकर प्रेम और सद्भावना को बढ़ाना चाहिए।

प्रश्न-2 हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका पर दस वाक्य लिखिए।

उत्तर - डाकिए का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। पहले की तुलना में बेशक डाकिए अब कम ही दिखाई देते हैं परन्तु आज भी गाँवों में डाकिए का पहले की तरह ही चिट्ठियों को आदान-प्रदान करते हुए देखा जा सकता है। चाहे कितना मुश्किल रास्ता हो, ये हमेशा हमारी चिट्ठियाँ हम तक पहुँचाते आए हैं। आज भी गाँवों में डाकियों को विशेष सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। गाँव की अधिकतर आबादी कम पढ़ी लिखी होती है परन्तु जब अपने किसी सगे-सम्बन्धी को पत्र व्यवहार करना होता है तो डाकिया उनका पत्र लिखने में मदद करते है।

व्याकरण

काल

काल का अर्थ होता है – "समय" । अर्थात क्रिया के होने या घटने के समय को काल कहते है।
दूसरे शब्दों में —-काल क्रिया के उस रूप को कहते है जिससे उसके कार्य करने या होने के समय तथा पूर्णता का ज्ञान होता है। उसे काल कहते है।

क्रिया के होने के समय की सूचना हमें काल से मिलती है। जैसे —

- नीलम बीमार है।
- नीलम बीमार थी ।
- नीलम अस्पताल जाएगी।

काल के भेद-

काल के तीन भेद होते है-

1. वर्तमान काल)present Tense) – जो समय चल रहा है।
2. भूतकाल)Past Tense) – जो समय बीत चुका है।
3. भविष्यत काल)Future Tense)- जो समय आने वाला है।

1) वर्तमान काल- कोई क्रिया जिस समय घटित होती है, भाषा में वह समय वर्तमान काल कहलाता है। क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

उदहारण

- मेरी बहन डॉक्टर है।
- वह रोज अस्पताल जाती है।
- पिताजी सुबह मंदिर जाते है।
- मॉ इस समय नाश्ता बना रही है।
- बच्चे स्कूल गए है।

3) भूतकाल -: जिसके द्वारा हमें क्रिया के बीते हुए समय में होने का बोध होता है। उसे भूतकाल कहा जाता है।

भूतकाल दो शब्दों के मेल से बना है जो " – है होता अर्थ का भूत काल। + भूत" – बीत गया और काल का अर्थ होता है "समय। –

- आज हमारा स्कूल बंद था
- हवा बहुत तेज चल रही थी
- वह खा चुका था।
- मैंने पुस्तक पढ़ ली थी।
- वे दोनों मेरे पडोसियों के बच्चे थें।

3) भविष्य काल- जिन चिह्नों से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में घटित होने वाली है, वे चिह्न भविष्यत काल के चिह्न कहलाते हैं |

दूसरे शब्दों में —जिसके द्वारा हमें क्रिया के आने वाले समय में कार्य होने का बोध हो उसे भविष्यत काल कहते है।

- राम कल पढ़ेगा।
- इस साल बारिश अच्छी होगी
- वह मेरी बात नहीं मानेगी।
- आज बाजार बंद रहेगा
- कमला गाएगी

लेखन -विभाग

सूचना लेखन

*** आपकी स्कूल में योगाभ्यास कक्षा शुरू होनेवाली है जिसके लिए सूचना लिखिए |**

सूचना

जे. एस. टी. पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली,

दिनांक - 26 जुलाई, 2019

प्रातः काल में योगाभ्यास कक्षा

आप सभी को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में छुट्टी के दिनों में प्रातः काल में योग की अभ्यास कक्षाएँ चलाई जाएँगी। जो भी विद्यार्थी योगाभ्यास की कक्षाओं का लाभ उठाना चाहते हैं, वे अपना नाम अपने कक्षाध्यापक/कक्षाध्यापिका को दे सकते हैं। नाम देने की आखरी तारीख 30 जुलाई, 2019 है।

योगाभ्यास कार्यक्रम

स्थान - बास्केट बॉल मैदान

समय - प्रातः 6-7 बजे

दिनांक - प्रत्येक शनिवार एवं रविवार

शशांक त्रिवेदी

प्रधानाचार्य

* **गतिविधि - भगवान के डाकिए का चित्र बनाए |**

भारत की खोज

पाठ-4 युगों का दौर

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) मौर्य साम्राज्य के अवसान के बाद उसका स्थान किसने लिया ?

- मौर्य साम्राज्य के अवसान के बाद उसका स्थान शुंग वंश ने लिया |

2) हेलिओदों स्तंभ के नाम से क्या प्रसिद्ध है ?

- हेलिओदों स्तंभ के नाम से ग्रेनाइट पत्थर की एक लाट प्रसिद्ध है|

3) बौद्ध धर्म किन दो सम्प्रदायो में बट गया ?

- महायान और हीनयान

4) नागार्जुन कौन थे ?

- नागार्जुन एक महान व्यक्ति एवं बौद्ध शास्त्र , भारतीय दर्शन के बड़े विद्वान थे |

5) संस्कृत भाषा का निर्माण कब व किसने किया था ?

- संस्कृत भाषा का निर्माण 2600 वर्ष पहले पाणिनी ने किया था |

6) कुषाणों का प्रसिद्ध शासक कौन था ?

- कुषाणों का प्रसिद्ध शासक नागार्जुन था |

7) भारत के पतन के क्या कारण थे?

- एक के बाद एक विदेशी शासक का भारत पर शासन करना और राजनीति का टूटना|

8) बाबर कौन था?

(a) मुगल शासन का संस्थापक (b) मुगल शासन का सेनापति

(c) इस्लाम धर्म का संस्थापक (d) एक विदेशी आक्रमणकारी

9) बाबर ने भारतीय सत्ता की नींव कब रखी?

(a) 1770 (b) 1530

(c) 1526 में (d) 1600

10) अकबर ने किस धर्म को चलाया?

(a) दीन.ए.एलाही (b) मुस्लिम धर्म

(c) इसाई धर्म (d) फ़ारसी धर्म

11) महमूद गज़नवी ने भारत पर आक्रमण की शुरुआत कब की?

(a) 1000 ई. में (b) 1100 ई. में

(c) 1200 ई. में (d) 800 ई. में

12) मुगल काल की वास्तुकला का सुंदर नमूना कौन-सा है?

(a) फतेहपुर सीकरी (b) कुतुबमीनार

(c) ताजमहल (d) लालकिला

13) 'पद्मावत' ग्रंथ की रचना किसने की?

(a) रहीम **(b) जायसी**

(c) तुलसी (d) कबीर

पाठ -7 क्या निराश हुआ जाए
(लेखक - हज़ारी प्रसाद त्रिवेदी)

* क्या निराश हुआ जाए पाठ सार

लेखक आज के समय में फैले हुए डकैती ,चोरी, तस्करी और भ्रष्टाचार से बहुत दुखी है। आजकल का समाचार पत्र आदमी को आदमी पर विश्वास करने से रोकता है। लेखक के अनुसार जिस स्वतंत्र भारत का स्वप्न गांधी, तिलक, टैगोर ने देखा था यह भारत अब उनके स्वप्नों का भारत नहीं रहा। आज के समय में ईमानदारी से कमाने वाले भूखे रह रहे हैं और धोखा धड़ी करने वालेराजकर रहे हैं। लेखक के अनुसार भारतीय हमेशा ही संतोषी प्रवृति के रहें हैं। वे कहते हैं आम आदमी की मौलिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कानून बनाए गए हैं किन्तु आज लोग ईमानदार नहीं रहे। भारत में कानून को धर्म माना गया है, किन्तु आज भी कानून से ऊँचा धर्म माना गया है शायद इसी लिय आज भी लोगों में ईमानदारी, सच्चाई है। लेखक को यह सोचकर अच्छा लगता है कि अभी भी लोगों में इंसानियत बाकी है उदहारण के लिए वेबस और रेलवे स्टेशनपर हुई घटना की बात बताते हैं। लेखक को विश्वास है की एक दिन भारत इन्ही गुणों केबल पर वैसा ही भारत बन जायेगा जैसा वह चाहता है। अतः अभी निराश न हुआ जाय।

* नए शब्द

1) तस्करी
2) जीविका
3) मनीषियों
4) त्रुटियों
5) ठगी
6) दरिद्रजनों
7) भीरु
8) भ्रष्टाचार

* शब्दार्थ

1) ठगी: चालबाजी
2) तस्करी: चोरी से सीमा पार माल ले जाने की क्रिया
3) भ्रष्टाचार: अनैतिक आचरण
4) सदेंह: शक
5) दृष्टि: नज़र
6) दोष: बुराई
7) गुणी: अच्छाई
8) अतीत: बीता हुआ समय
9) मनीषियों: ऋषि
10) जीविका: रोज़गार
11) निरीह: कमजोर
12) भीरु: डरपोक
13) बेबस: लाचार
14) आस्था: विश्वास
15) संग्रह: इकट्ठा करना
16) उपेक्षा: ध्यान न देना
17) आध्यात्मिकता: भगवान से सम्बन्ध रखने वाला

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) इस पाठ के लेखक हैं?
(a) हरिशंकर परसाई
(b) भगवती चरण वर्मा
(c) रामधारी सिंह दिनकर
(d) हजारी प्रसाद द्विवेदी

2) आजकल समाचार पत्रों में क्या छपते हैं?
(a) ठगी एवं डकैती
(b) चोरी और तस्करी
(c) भ्रष्टाचार
(d) उपर्युक्त सभी

3) प्रत्येक व्यक्ति को किस दृष्टि से देखा जा रहा है?
(a) घृणा की दृष्टि से
(b) प्रेम की दृष्टि से
(c) संदेश की दृष्टि से
(d) मित्र की दृष्टि से

4) कानून की त्रुटियों का लाभ उठाने से निम्नलिखित में से कौन लोग संकोच नहीं करते?
(a) अफ़सर
(b) देशभक्त
(c) धर्म भीरू
(d) युद्धवीर

5) भारतवर्ष में किसके संग्रह को अधिक महत्त्व नहीं दिया जाता?
(a) धन-संपत्ति
(b) लोभ-मोह को
(c) काम-क्रोध को
(d) भौतिक वस्तुओं को

6) चरम और परम किसे माना जाता है?
(a) अकेला व एक सार
(b) अंग्रेज़ी व प्रधान
(c) अग्र व पीछे
(d) इनमें से कोई नहीं

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 बुरा आचरण क्या है?

उत्तर - लोभ - मोह, काम - क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विधमान रहतें हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बुरा आचरण है।

प्रश्न-2 भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व क्यों नहीं दिया है?

उत्तर - भारतवर्ष ने भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है क्योंकि उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है।

प्रश्न-3 आज महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था क्यों हिलने लगी है?

उत्तर - ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलानेवाले निरीह और भोले - भाले श्रमजीवी को पिसते और झूठ तथा फ़रेब का रोज़गार करनेवालों को फलता - फूलता देखकर महान मूल्यों के प्रति हमारी आस्था हिलने लगी है।

प्रश्न-4 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का क्या आशय है?

उत्तर – 'मानव महा - समुद्र' से लेखक का आशय भारत वर्ष में रहने वाले विभिन्न जाति एवं धर्म के मनुष्यों से है जो अलग - अलग स्थानों से आए हैं तथा अपने साथ तरह - तरह के जीवन मूल्य एवं आदर्श लाए हैं।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1"आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" क्या आप इस बात से सहमत हैं?

उत्तर – "आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" मैं इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ और उपरोक्त कथन पूरी तरह से सही भी है। आदर्श अर्थात अच्छी आदतें या बातें। जैसे - सच बोलना, धोखा न देना, अपशब्दों का प्रयोग न करना आदि। किन्तु जीवन में छोटी सी परेशानी अथवा कठिनाई के आने पर हम आदर्शों को भूल कर सरलता से मिलने वाले समाधान की ओर आकर्षित हो जाते हैं तथा उसी ओर बढ़ जाते हैं।

प्रश्न-2 'महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।' इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

उत्तर – उपरोक्त कथन लेखक के भारतवर्ष के प्रति अच्छे विचारों का प्रतीक है। निरंतर बुराईयों के बीच घिरे रहने के पश्चात भी लेखक निराश नहीं होते बल्कि अपने जीवन में घटने वाली सच्ची और अच्छी घटनाओं से आशान्वित होकर वे ऐसा मानते हैं कि मेरे भारतवर्ष से महानता, सच्चाई और अच्छाई अभी पूरी तरह से नष्ट नहीं हुई है। अभी भी भारत वर्ष में सच्चे, ईमानदार व्यक्तियों के कारण सच्चाई और अच्छाई जैसे गुण विद्यमान हैं जो की हमारे भारतवर्ष को महान बनाने में सहायक होंगे।

व्याकरण

➢ कारक-

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संज्ञा या सर्वनाम का) सम्बन्ध) सूचित हो, उसे (उस रूप को)'कारक' कहते हैं।अथवा- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनका संज्ञा) नाम का) क्रिया से सम्बन्ध सूचित होया सर्व, उसे (उस रूप को)'कारक' कहते हैं।

➢ कारक के भेद-

हिन्दी में कारको की संख्या आठ है-

(1)कर्ता कारक
(2)कर्म कारक
(3)करण कारक
(4)सम्प्रदान कारक
(5)अपादान कारक
(6)सम्बन्ध कारक
(7)अधिकरण कारक
(8)संबोधन कारक

कारक (Case)	विभक्ति (चिन्ह)
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
सम्प्रदान	को, के लिए, हेतु, निर्मित, वास्ते,
अपादान	से (अलगाव)
सम्बन्ध	का,की,के,रा,री,ना,नी,ने
अधिकरण	में, भीतर, पर, उपर,
सम्बोधन	हे!, हो!, अरे!, ए!, रे

1) कर्ता कारक -:

जो वाक्य में कार्य करता है उसे कर्ता कहा जाता है। अथार्त वाक्य के जिस रूप से क्रिया को करने वाले का पता चले उसे कर्ता कहते हैं।

जैसे :-
(i) राम ने पत्र लिखा।
(ii) हम कहाँ जा रहे हैं।
(iii) रमेश ने आम खाया।
(iv) सोहन किताब पढ़ता है।
(v) राजेन्द्र ने पत्र लिखा।

2) कर्म कारक -:

जिस व्यक्ति या वस्तु पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका चिन्ह को माना जाता है।

जैसे :-

1- अध्यापक , छात्र को पीटता है।
2- सीता फल खाती है।
3- राम ने रावण को मारा।
4- गोपाल ने राधा को बुलाया।
5- बड़ों को सम्मान दो।
6- माँ बच्चे को सुला रही है।

(3) करण कारक -:
जिस साधन से क्रिया होती है उसे करण कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह से और के द्वारा होता है।
जैसे :-
1- बच्चे गेंद से खेल रहे हैं।
2- बच्चा बोतल से दूध पीता है।
3- राम ने रावण को बाण से मारा।
4- सुनील पुस्तक से कहानी पढ़ता है।
5- कलम से पत्र लिख है।

(4) सम्प्रदान कारक -:
सम्प्रदान कारक का अर्थ होता है देना। जिसके लिए कर्ता काम कर्ता है उसे सम् –प्रदान कारक कहते हैं। सम्प्रदान कारक के विभक्ति चिन्ह के लिए और को होता है।
जैसे :-
1- गरीबों को खाना दो।
2- मेरे लिए दूध लेकर आओ।
3- माँ बेटे के लिए सेब लायी।
4- अमन ने श्याम को गाड़ी दी।
5- मैं सूरज के लिए चाय बना रहा हूँ।
6- मैं बाजार को जा रहा हूँ।
7- भूखे के लिए रोटी लाओ।

(5) अपादान कारक -:
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का बोध हो वहाँ पर अपादान कारक होता है। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से अलग होना , उत्पन्न होना , डरना , दूरी , लजाना , तुलना करना आदि का पता चलता है उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिन्ह से होता है।
जैसे :-
1- पेड़ से आम गिरा।
2- हाथ से छड़ी गिर गई।
3- सुरेश शेर से डरता है।
4- गंगा हिमालय से निकलती है।
5- लड़का छत से गिरा है।
6- पेड़ से पत्ते गिरे।

6) संबंध कारक -:
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप की वजह से एक वस्तु की दूसरी वस्तु से संबंध का पता चले उसे संबंध कारक कहते हैं। इसके विभक्ति चिन्ह का , के , की , रा , रे , री आदि होते हैं।
जैसे :-
1- सीतापुर , मोहन का गाँव है।
2- सेना के जवान आ रहे हैं।

3- यह सुरेश का भाई है।
4- यह सुनील की किताब है।
5- राजा दशरथ का बड़ा बेटा राम था।

(7) अधिकरण कारक -:

अधिकरण का अर्थ होता है आधार या आश्रय। संज्ञा के जिस रूप की वजह से क्रिया –के आधार का बोध हो उसे अधिकरण कारक कहते हैं।इसकी विभक्ति में और पर होती है। भीतर , अंदर , ऊपर , बीच आदि शब्दों का प्रयोग इस कारक में किया जाता है।

जैसे :-

1- हरी घर में है।
2- पुस्तक मेज पर है।
3- पानी में मछली रहती है।
4- फ्रिज में सेब रखा है।
5- रमा ने पुस्तक मेज पर रखी।

(8) सम्बोधन कारक -:

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से बुलाने या पुकारने का बोध हो उसे सम्बोधन कारक कहते हैं। जहाँ पर पुकारने , चेतावनी देने , ध्यान बटाने के लिए जब सम्बोधित किया जाता है उसे सम्बोधन कारक कहते हैं। इसकी पहचान करने के लिए चिन्ह लगाया जाता है। इसके (!)
चिन्ह हे , अरे , अजी आदि होते हैं।

जैसे -:

1- हे ईश्वर रक्षा करो। !
2- अरे बच्चो शोर मत करो। !
3- हे राम यह क्या हो गया। !
4- अरे भाई यहाँ आओ। !
5- अजी तुम उसे क्या मरोगे ?

लेखन -विभाग

विज्ञापन

अपने पुराने मकान के बेचने सम्बन्धी विज्ञापन का आलेख लगभग 25-30 शब्दों में तैयार कीजिए।

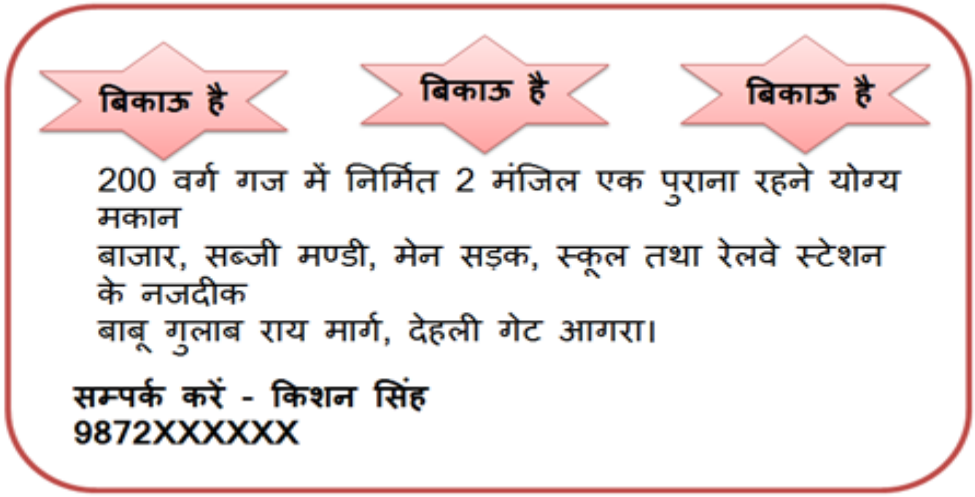

*** गतिविधि - कुदरती दृश्य का चित्र बनाए |**

कविता -8 यह सबसे कठिन समय नहीं

(लेखक - जया जादवानी)

* कविता का सार

उपर्युक्त कविता में कवयित्री कहती है कि अभी सबसे कठिन समय नहीं है क्योंकि अभी भी चिड़िया तिनका ले जाकर घोंसला बनाने की तैयारी में है। अभी भी झड़ती हुई पत्तियों को सँभालने वाला कोई हाथ है अर्थात अभी भी लोग एक दूसरे की मदद के लिए तैयार है। अभी भी अपने गंतव्य तक पहुँचने का इंतजार करने वालों के लिए रेलगाड़ियाँ आती हैं। अभी भी कोई कहता है जल्दी आ जाओ क्योंकि सूरज डूबने वाला है। अभी भी बूढ़ी नानी की सुनाई कथा आज भी कोई सुनाता है कि अंतरिक्ष के पार भी दुनिया है। अतः अभी सबसे कठिन समय नहीं आया है।

* नए शब्द

1) गंतव्य
2) प्रतीक्षा
3) झरती
4) तिनका
5) हिस्सा

* शब्दार्थ

1) कठिन: मुश्किल
2) तिनका: लकड़ी का छोटा टुकड़ा
3) झरती: गिरना
4) थामने: पकड़ना
5) गंतव्य: जिस स्थान पर पहुंचना होता है
6) प्रतीक्षा: इंतजार
7) आखिरी: अंतिम
8) हिस्सा: भाग
9) सदियों: पुराने समय से
10) खबर: समाचार
11) कठिन: मुश्किल

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) कवयित्री के अनुसार यह समय कैसा है?
   (a) सबसे कठिन समय है
   (b) यह सबसे कठिन समय नहीं है
   (c) थोड़ा कठिन समय है
   (d) इनमें से कोई नहीं
2) इस कविता के रचयिता कौन हैं?
   (a) सुभद्रा कुमारी चौहान
   (b) महादेवी वर्मा
   (c) जया जादवानी
   (d) सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला'
3) तिनका कहाँ है?
   (a) पानी में
   (b) ज़मीन में
   (c) चिड़िया के चोंच में
   (d) पेड़ पर

4) सदियों से कहानी कौन सुनाती आ रही है?
   (a) बूढ़ी दादी
   (b) बूढ़ी नानी
   (c) पड़ोसिन
   (d) कोई न कोई
5) रेलवे स्टेशन पर क्या है?
   (a) रेलगाड़ियों का तांता
   (b) यात्रियों की भीड़
   (c) ढेर सारा सामान
   (d) इनमें से कोई नहीं
6) अंतरिक्ष के पार लोग क्यों गए थे?
   (a) घूमने
   (b) कुछ नए कार्य करने
   (c) नई जानकारियाँ प्राप्त करने
   (d) इनमें से कोई नहीं

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'यह कठिन समय नहीं है' कविता की कवयित्री का नाम क्या है?

उत्तर - 'यह कठिन समय नहीं है' कविता की कवयित्री का नाम जया जादवानी है।

प्रश्न-2 'यह सबसे कठिन समय नहीं है' यह पंक्ति हमें क्या संदेश देती है?

उत्तर - इस कविता में कवयित्री ने विषम परिस्थितियों में भी हार न मानने का संदेश दिया है।

प्रश्न-3 'अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है गंतव्य तक' का आशय क्या है?

उत्तर 'अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है गंतव्य तक' का आशय है कि लेखिका को विश्वास है कि कोई न कोई रेलगाड़ी उन्हें उनके मंजिल तक जरूर पहुँचाएगी।

प्रश्न-4 'झरती हुई पत्ती थामने को बैठा है हाथ एक' से कवयित्री का क्या आशय है?

उत्तर 'झरती हुई पत्ती थामने को बैठा है हाथ एक' से कवयित्री का आशय है कि आज भी समाज में लोग एक-दूसरे की मदद करने को तत्पर रहते हैं।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'अभी भी स्टेशन पर भीड़ है' इस कथन के द्वारा कवयित्री क्या कहना चाह रही है?

उत्तर 'अभी भी स्टेशन पर भीड़ है' इस कथन के द्वारा कवयित्री यह कहना चाह रही है कि लोग अपने जीवन की कठिनाईयों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए प्रत्यनशील हैं।

प्रश्न-2 चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी?

उत्तर – चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में है क्योंकि सूरज डूबने ही वाला है और सूरज डूबने से पहले चिड़िया अपने लिए घोंसला बनाना चाहती है। वह तिनकों से अपने लिए घोंसला तैयार करती है।

व्याकरण

* संधि की परिभाषा

दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं। (स्वर या व्यंजन)

दूसरे अर्थ में- संधि का सामान्य अर्थ है मेल। इसमें दो अक्षर मिलने से तीसरे शब्द की रचना होती है, इसी को संधि कहते है।

संधि का शाब्दिक अर्थ हैमेल या समझौता। जब दो वर्णों का मिलन अत्यन्त निकटता के - परिवर्तन संधि के नाम से कोई परिवर्तन होता है और वही-न-कारण होता है तब उनमें कोई जाना जाता है।

संधि विच्छेद- उन पदों को मूल रूप में पृथक कर देना संधि विच्छेद है।

जैसे

अत्यधिक(यह संधि विच्छेद है) अधिक + अति =

- यथा यथोचित =उचित +
- अखि अखिलेश्वर =ईश्वर +
- आत्मा आत्मोत्सर्ग =उत्सर्ग +
- महा महर्षि =ऋषि +

1- राष्ट्राध्यक्ष - राष्ट्र अध्यक्ष +

2- नयनाभिराम - नयन अभिराम +

3- युगान्तर - युग अन्तर +

4- शरणार्थी - शरण अर्थी +

5- सत्यार्थी - सत्य अर्थी +

6- दिवसावसान अवसान + दिवस -

7- प्रसंगानुकूल अनुकूल+ प्रसंग -

8- विद्यानुराग - विद्या अनुराग +

9- परमावश्यक आवश्यक + परम - 10- उदयाचल - उदय अचल +

लेखन विभाग

पत्र लेखन

*** डाकिए की डाक बाँटने के लिए अनियमितता की शिकायत।**

सेवा में

डाकपाल महोदय

अंकुर विहार डाकखाना

लोनी, गाजियाबाद।

विषय - डाकिए की डाक बाँटने की अनियमितता के विषय में पत्र

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि हमारे क्षेत्र अंकुर विहार गाजियाबाद में गत पाँच-छह महीने से डाक वितरण अनियमितता से स्थानीय निवासी परेशान हैं।इस क्षेत्र में प्रतिदिन डाक वितरण नहीं होता। डाकिए सप्ताह में केवल एक या दो बार आते हैं तथा मुहल्ले के गेट पर खड़े चौकीदारों को सभी पत्र थमा कर चले जाते हैं। कई बार पत्र गलत पते पर डालकर चले जाते हैं जिससे और भी अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। जरूरी डाक तथा तार समय पर न मिलने से कई लोगों को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा तथा कुछ बच्चों के दाखिले भी नहीं हो पाए। ये सभी डाकिए त्योहार पर रुपए माँगने तो आ जाते हैं पर डाक देने नहीं। किसी-किसी ने तो मनी आर्डर की राशि भी पूरी न मिलने की शिकायत की है।

आशा है आप उक्त अनियमितताओं को दूर करने के लिए उचित कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

आयुष रंजन तिवारी

* **गतिविधि - चिड़ियाँ का घोसला बनाते हुये चित्र बनाए |**

भारत की खोज

पाठ -5 नई समस्याएँ

* **प्रश्नों के उत्तर लिखिए |**

1) हर्षवर्धन कहाँ पर शासन करता था ?

- हर्षवर्धन उत्तर भारत में शासन करता था |

2) चीनी यात्री हुयान कहाँ पर अध्ययन करते थे ?

- चीनी यात्री हुयान नालंदा में अध्ययन करते थे ।

3) सुल्तान महमूद गजनी ने भारत पर कब आक्रमण किया ?

- सुल्तान महमूद गजनी ने भारत पर 1000 ई. के आसपास आक्रमण किया ।

4) शाहबुदीन कब दिल्ली की गद्दी पर बैठा ?

- शाहबुदीन 1192 में दिल्ली की गद्दी पर बैठा।

5) औरंगजेब की मृत्यु कब हुई ?

- औरंगजेब की मृत्यु 1707 में हुई ।

6) अकबर ने किस धर्म को चलाया?

(a) दीन.ए.एलाही (b) मुस्लिम धर्म

(c) इसाई धर्म (d) फ़ारसी धर्म

7) मराठों के सेना नायक कौन थे?

(a) छत्रपति शिवाजी (b) रणजीत सिंह

(c) टीपू सुल्तान (d) दारा

8) मुगलकाल के पतन के बाद शक्तिशाली शासक के रूप में कौन उभरे?

(a) टीपू सुल्तान (b) हैदर अली

(c) मराठे (d) अंग्रेज़

9) भारत में ईस्ट इंडिया की स्थापना कब हुई?

(a) 1700 (b) 1800

(c) 1600 (d) 1500

कविता -9 कबीर की साखियाँ

* कबीर की साखियाँ का सार

इन दोहों में कबीर मानवीय प्रवर्तियों को प्रस्तुत करते हैं। पहले दोहे में कवि कहते हैं कि मनुष्य की जाति उसके गुणों से बड़ी नहीं होती है। दूसरे में कहते हैं कि अपशब्द के बदले अपशब्द कहना कीचड़ में हाथ डालने जैसा है। तीसरे दोहे में कवि अपने चंचल मन व्यंग कर रहें हैं कि माला और जीभ प्रभु के नाम जपते हैं पर मन अपनी चंचलता का त्याग नहीं करता। चौथे में कहते हैं कि किसी को कमजोर समझकर दबाना नहीं चाहिए क्योंकि

कभी-कभी यही हमारे लिए कष्टकारी हो जाता है। जैसे हाथी और चींटी। एक छोटी सी चींटी हाथी को भीबहुत परेशान कर सकती है। पाँचवे दोहे का भाव यह हैं कि मनुष्य अपनी मानसिक कमजोरियों को दूर करके संसार को खुशहाल और दयावान बना सकता है।

* नए शब्द

1) म्यान
2) आवत
3) दिसि
4) सुमिरन
5) दिसि
6) तलि
7) बैरी
8) सीतल

* शब्दार्थ

1) ज्ञान: जानकारी
2) मेल: खरीदना
3) तरवार: तलवार
4) म्यान: जिसमे तलवार रखीं जाती है
5) आवत: आते हूए
6) उलटत: पलटकर
7) फिरै: घूमना
8) जीभि: जीभ
9) मनुवाँ: मन
10) दिसि: दिशा
11) सुमिरन: स्मरण
12) नींदिए: निंदा करना
13) तलि: नीचे
14) खरी: कठिन
15) बैरी: शत्रु
16) सीतल: शांति
17) आपा: स्वार्थ

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) साधु से क्या पूछना चाहिए?
(a) जाति (b) धर्म
(c) ज्ञान (d) वाणी

2) कवि किसका मोल करने की बात कह रहा है?
(a) ज्ञान (b) म्यान
(c) तलवार (d) जाति

3) हाथ में हम क्या जाप करते हैं?
(a) दाना (b) मूर्ति
(c) माला (d) राजा

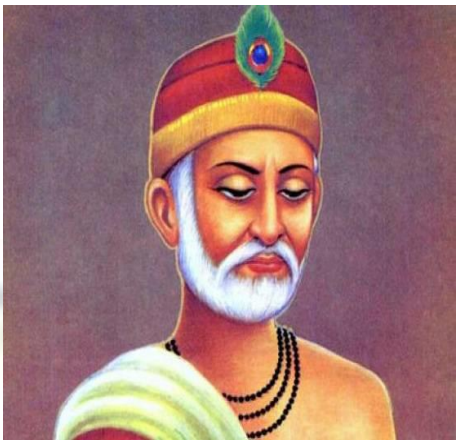

4) कबीर किसकी निंदा न करने की सीख देते हैं?
(a) पड़ोसियों की (b) मित्रों की
(c) कमज़ोर लोगों की (d) जानवरों की

5) कबीर किस काम को बुरा मानते हैं?
(a) निंदा करने को (b) घास खोदने को
(c) पैरों तले होने को (d) किसी को नहीं

6) कबीर के दोहे का संकलन किस रूप में जाना जाता है?

(a) सबद (b) छायावादी

(c) साखी (d) बीजक

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 मनुष्य के व्यवहार में ही दूसरों को विरोधी बना लेने वाले दोष होते हैं। यह भावार्थ किस दोहे से व्यक्त होता है?

उत्तर - जग में बैरी कोइ नहीं, जो मन सीतल होय। या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।।

प्रश्न-2 कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है?

उत्तर - साखी शब्द संस्कृत के शब्द साक्षी का तदभव रूप है। इसका अर्थ है - प्रमाण। साखी में जीवन मूल्य तथा सत्य चित्रण किया गया है। कबीर ने अपने अनुभवों को दोहों के रूप में कहा है। प्रामाणिक होने के कारण ही कबीर के दोहों को साखी कहा जाता है।

प्रश्न-3 कबीर के सखियाँ हमें क्या संदेश देती हैं?

उत्तर - कबीर के सखियाँ हमें यह संदेश देती हैं कि हमें साधु से उनकी जाति न पूछ कर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। किसी से भी हमें कटु वचन नहीं बोलना चाहिए। ईश्वर की भक्ति हमें स्थिर मन से करना चाहिए। हमें अपना स्वभाव शांत रखना चाहिए और सभी को समान भाव से देखना चाहिए।

प्रश्न-4 कबीर घास की निंदा करने से क्यों मना करते हैं?

उत्तर कबीरदास जी के अनुसार हमें कभी भी अहंकार वश किसी भी वस्तु को निम्न समझकर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए क्योंकि समय आने पर वही छोटी वस्तु बड़े कष्ट का कारण बन सकती है। हर एक में कुछ न कुछ अच्छाई होती है। अत: हमें सबका सम्मान करना चाहिए।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1'तलवार का महत्व होता है म्यान का नहीं'-उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर - 'तलवार का महत्व होता है, म्यान का नहीं' से कबीर यह कहना चाहता है कि हमें किसी भी वस्तु के आंतरिक गुणों को महत्व देना चाहिए नाकि बाहरी सुंदरता को। उसी प्रकार किसी व्यक्ति की पहचान उसके गुणों एवं ज्ञान से होती हैं नाकि कुल, जाति, धर्म आदि से। ज्ञान के आगे जाति का कोई अस्तित्व नहीं है।

प्रश्न-2 पाठ की तीसरी साखी-जिसकी एक पंक्ति है 'मनुवाँ तो दहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहिं' के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर इस पंक्ति के द्वारा संत कबीर जी कहते हैं कि केवल मुख से हरी का जाप करने से या हाथ में मालाफेरने मात्र से ही ईश्वर का स्मरण नहीं होता है। यदि हमारा मन चारों दिशाओं में भटक रहा है और मुख से हरि का नाम ले रहे हैं तो वह सच्ची भक्ति नहीं है। ईश्वर की सच्ची भक्ति तो मन को स्थिर रखकर भगवान का सुमिरन करते हुए ही संभव है।

लेखन विभाग

अनुच्छेद

समाचार-पत्र : ज्ञान और मनोरंजन का साधन

संकेत बिंदु -

- जिज्ञासा पूर्ति का सस्ता एवं सुलभ साधन
- रोज़गार का साधन
- समाचार पत्रों के प्रकार
- जानकारी के साधन।

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। वह अपने समाज और आसपास के अलावा देश-दुनिया की जानकारी के लिए जिज्ञासु रहता है। उसकी इस जिज्ञासा की पूर्ति का सर्वोत्तम साधन है- समाचार-पत्र, जिसमें देश-विदेश तक के समाचार आवश्यक चित्रों के साथ छपे होते हैं। सुबह हुई नहीं कि शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में समाचार पत्र विक्रेता घर-घर तक इनको पहुँचाने में जुट जाते हैं। कुछ लोग तो सोए होते हैं और समाचार-पत्र दरवाज़े पर आ चुका होता है। अब समाचार पत्र अत्यंत सस्ता और सर्वसुलभ बन गया है।समाचार पत्रों के कारण लाखों लोगों को रोजगार मिला है। इनकी छपाई, ढुलाई, लादने-उतारने में लाखों लगे रहते हैं तो एजेंट, हॉकर और दुकानदार भी इनसे अपनी जीविका चला रहे हैं। इतना ही नहीं पुराने समाचार पत्रों से लिफ़ाफ़े बनाकर एक वर्ग अपनी आजीविका चलाता है। छपने की अवधि पर समाचार पत्र कई प्रकार के होते हैं।प्रतिदिन छपने वाले समाचार पत्रों को दैनिक, सप्ताह में एक बार छपने वाले समाचार पत्रों को साप्ताहिक, पंद्रह दिन में छपने वाले समाचार पत्र को पाक्षिक तथा माह में एक बार छपने वाले को मासिक समाचार पत्र कहते हैं। अब तो कुछ शहरों में शाम को भी समाचार पत्र छापे जाने लगे हैं। समाचार पत्र हमें देशदुनिया के समाचारों, खेल की जानकारी मौसम तथा बाज़ार संबंधी जानकारियों के अलावा इसमें छपे विज्ञापन भी भाँति-भाँति की जानकारी देते हैं।

*** गतिविधि - संत कबीर का चित्र बनाए अथवा लगाए |**

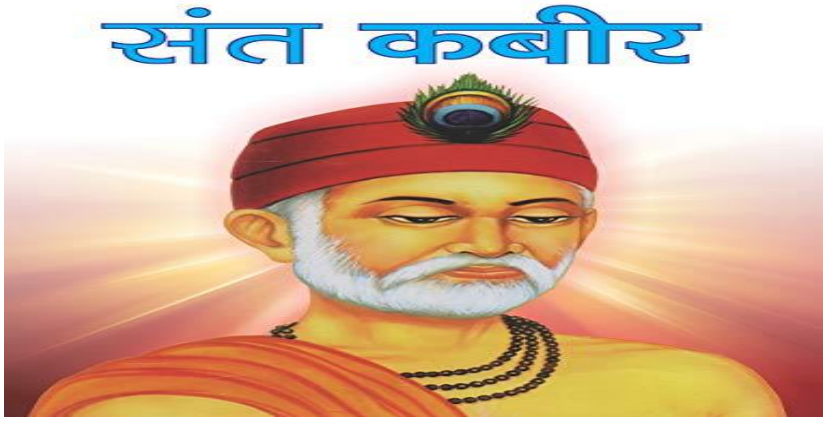

पाठ -10 कामचोर

(लेखिका - इस्मत चुगताई)

* कामचोर पाठ प्रवेश

यह कहानी कामचोर अर्थात् आलसी बच्चों की है। बच्चे अक्सर काम से जी चुराते हैं उन्हें खेलने-कूदने और मस्ती करने में ही आनंद आता है। इस कहानी में बताया गया है कि अगर सही दिशा निर्देश अर्थात् सही तरीका उन्हें न बताया जाए तो बच्चे सही तरीके से काम नहीं करते हैं अर्थात् बच्चों को उन्हें काम करने का तरीका सिखाना बहुत ही जरूरी है। काम सही तरीके से न होने से क्या-क्या परेशानियाँ घरवालों को होती है, इस पाठ में बताया गया है और बहुत ही मजेदार तरीके से बता गया है कि क्या-क्या होता है, जब उन्हें काम करने के लिए कहा जाता है।

* नए शब्द

1) कामचोर
2) ऊधम
3) दबैल
4) घमासान
5) फरमान
6) मिसाल
7) याचना
8) सींके

* शब्दार्थ

1) वाद-विवाद - बहस
2) खुद - अपने आप
3) कामचोर - आलसी
4) ऊधम - मस्ती
5) ख्याल - सोच
6) घमासान - भयानक
7) हरगिज - बिलकुल
8) फरमान - राजाज्ञा
9) दुहाई - कसम
10) याचना - प्रार्थना

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) 'कामचोर' कहानी के लेखक कौन हैं?

(a) कामतानाथ (b) भगवती चरण वर्मा

(c) इस्मत चुगताई (d) जया जादवानी

2) आखिर ये मोटे-मोटे किस काम के हैं? ऐसा किन्हें कहा गया है?

(a) नौकरों को (b) पड़ोसियों को

(c) घर के बच्चों को (d) नौकरों को

3) काम करने के लिए कौन तैयार हो गए?

(a) नौकर **(b) घर के बच्चे**

(c) माता-पिता (d) चाचा

4) बच्चों को काम करवाने के लिए क्या लालच दिया गया?

(a) वेतन का (b) नए कपड़ों का

(c) दावत में ले जाने का (d) कहीं दूर घुमाने ले जाने का

5) बच्चों ने कहाँ झाड़ू लगाने का फ़ैसला किया?

(a) घर में **(b) आँगन में**

(c) घर के बाहर (d) उपर्युक्त सभी

6) बच्चे किससे सफ़ाई में जुड़ गए?

(a) सीकों से **(b) झाड़ू से**

(c) पोछा से (d) कपड़ों से

* लघु उत्तरीय प्रश्नों लिखिए |

1) **कहानी में "मोटे-मोटे किस काम के हैं"?किन के बारे में और क्यों कहा गया?**

उ.- कहानी में "मोटे-मोटे किस काम के हैं" बच्चों के बारे में कहा गया है क्योंकि वे घर के कामकाज में जरा सी भी मदद नहीं करते थे तथा दिन भर खेलते-कूदते रहते थे।

2) **बच्चों के उधम मचाने के कारण घर कि क्या दुर्दशा हुई?**

उ-.बच्चों के उधम मचाने से घर की सारी व्यवस्था ख़राब हो गई। मटके-सुराहियाँ इधर-उधर लुढक गए। घर के सारे बर्तन अस्त-व्यस्त हो गए। पशु-पक्षी इधर-उधर भागने लगे। घर में धुल, मिट्टी और कीचड़ का ढेर लग गया। मटर की सब्जी बनने से पहले भेड़ें खा गई। मुर्गे-मुर्गियों के कारण कपड़े गंदे हो गए।

3) "कामचोर "कहानी क्या संदेश देती है?

उ.-यह एक हास्यप्रधान कहानी है। यह कहानी संदेश देती है की बच्चों को उनके स्वभाव के अनुसार, उम्र और रूचि ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए। जिससे वे बचपन से ही रचनात्मक कार्यों में लगन तथा रूचि का परिचय दे सकें। उनके ऊपर बड़ों की जिम्मेदारी थोपना बचपन को कुचलना है। अतः बड़ों को चाहिए की समझदार बच्चा बनकर बच्चों के बीच रहें और उन्हें सही दिशा प्रदान करें।

4) क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगें ?

उ.- बच्चों द्वारा लिया गया निर्णय उचित नहीं था क्योंकि स्वयं हिलकर पानी न पीने का निश्चय उन्हें और भी कामचोर बना देगा। उन्हें काम तो करना चाहिए पर समझदारी के साथ। बच्चों को घर-परिवार के काम धंधों को आपस में बाँट कर, बड़ों से समझ कर पूरा करना चाहिए। उन्हें अपने खाली समय का सदुपयोग करना चाहिए तथा रचनात्मक कार्यों में मन लगाते हुए परिवार-वालों का सहयोग करना चाहिए।

3) "या तो बच्चा राज कायम कर लो या मुझे ही रख लो। "अम्मा ये कब कहा और इसका परिणाम क्या हुआ?

उ.- अम्मा ने बच्चों द्वारा किए गए घर की हालत को देखकर ऐसा कहा था। जब पिताजी ने बच्चों को घर के काम काज में हाथ बँटाने की नसीहत दी तब उन्होंने किया इसके विपरीत सारे घर को तहस-नहस किया। चारों तरफ़ समान बिखरा दिया, मुर्गियों और भेड़ों को घर में घुसा दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि काम करने के बजाए उन्होंने घर का काम कई गुना बढ़ा दिया जिससे अम्मा जी बहुत परेशान हो गई थीं। उन्होंने पिताजी को साफ़-साफ़ कह दिया कि या तो बच्चों से करवा लो या मैं मायके चली जाती हूँ। इसका परिणाम ये हुआ कि पिताजी ने घर की किसी भी चीज़ को बच्चों को हाथ ना लगाने की हिदायत दे डाली नहीं तो सज़ा के लिए तैयार रहने को कहा।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) घर के सामान्य काम हों या अपना निजी काम, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुरूप उन्हें करना आवश्यक क्यों है?

- यह इसलिए भी जरूरी है कि यदि हम अपने घर का काम या अपना निजी काम, नहीं करेंगे तो हम कामचोर बन जाएँगे और दूसरों पर आश्रित हो जाएँगे और ये निर्भरता हमें निकम्मा बना देगी। इसलिए हमें चाहिए कि अपने काम दूसरों से ना करवाकर स्वंय करें अपने काम के लिए आत्मनिर्भर बनें। हमें चाहिए कि हम अपने काम के साथ-साथ दूसरों के काम में भी मदद करें। अपना काम अपने अनुसार और समय पर किया जा सकता है।

2) भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद? कामचोर कहानी के आधर पर निर्णय कीजिए।

- यदि सारा-परिवार मिल जुलकर कार्य करे तो घर को सुखद बनाया जा सकता है। इससे घर के किसी भी सदस्य पर अधिक कार्य का दबाव नहीं पड़ेगा। सब अपनी अपनी कार्यक्षमता के आधार पर कार्य को बाँट लें व उसे समय पर निपटा लें तो सब को एक दूसरे के साथ वक्त बिताने का अधिक समय मिलेगा इससे सारे घर में आपसी प्रेम का विकास होगा और खुशहाली ही खुशहाली होगी। इसके विपरीत यदि घर के सदस्य घर के कामों के प्रति बेरूखा व्यवहार रखेंगे और किसी भी काम में हाथ नहीं बटाएँगे तो सारे घर में अशांति ही फैलेगी, घर में खर्च का दबाव बनेगा, घर के सभी सदस्य कामचोर बन जाएँगे और अपने कामों के लिए सदैव दूसरों पर

निर्भर रहेंगे जिससे एक ही व्यक्ति पर सारा दबाव बन जाएगा। यदि इन सबसे निपटने की कोशिश की गई तो वही हाल होगा जो कामचोर में घर के बच्चों ने घर का किया था। वे घर की शन्ति व सुःख को एक ही पल में बर्बाद कर देंगे। इसलिए चाहिए कि बचपन से ही बच्चों को उनके काम स्वयं करने की आदत डालनी चाहिए ताकि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाया जाए और घर के प्रति ज़िम्मेदार भी।

3) बड़े होते बच्चे किस प्रकार माता-पिता के सहयोगी हो सकते हैं और किस प्रकार भार? कामचोर कहानी के आधर पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

- अगर बच्चों को बचपन से अपना कार्य स्वयं करने की सीख दी जाए तो बड़े होकर बच्चे माता-पिता के बहुत बड़े सहयोगी हो सकते हैं। वह अगर अपने आप नहा धोकर स्कूल के लिए तैयार हो जाएँ, अपने जुराब स्वयं धो लें व जूते पालिश कर लें, अपने खाने के बर्तन यथा सम्भव स्थान पर रख आएँ, अपने कमरे को सहज कर रखें तो माता-पिता का बहुत सहयोग कर सकते हैं। यदि इससे उलटा हम बच्चों को उनका कार्य करने की सीख नहीं देते तो वह सहयोग के स्थान पर माता-पिता के लिए भार ही साबित होंगे। उनके बड़ा होने पर उनसे कोई कार्य कराया जाएगा तो वह उस कार्य को भली-भांति करने के स्थान पर तहस-नहस ही कर देंगे, जैसे की कामचोर लेख पर बच्चों ने सारे घर का हाल कर दिया था।

व्याकरण

-समास

समास 'संक्षिप्तिकरण' को समास कहते हैं। दूसरे शब्दों में समास संक्षेप करने की एक प्रक्रिया है। दो या दो से अधिक शब्दों का परस्पर सम्बन्ध बताने वाले शब्दों अथवा कारक चिह्नों का लोप होने पर उन दो अथवा दो से अधिक शब्दों के मेल से बने एक स्वतन्त्र शब्द को समास कहते हैं। उदाहरण 'दया का सागर' का सामासिक शब्द बनता है 'दयासागर'।

समासों के परम्परागत छः भेद हैं-

1. द्वन्द्व समास
2. द्विगु समास
3. तत्पुरुष समास
4. कर्मधारय समास
5. अव्ययीभाव समास
6. बहुव्रीहि समास

1. द्वन्द्व समास

जिस समास में पूर्वपद और उत्तरपद दोनों ही प्रधान हों अर्थात् अर्थ की दृष्टि से दोनों का स्वतन्त्र अस्तित्व हो और उनके मध्य संयोजक शब्द का लोप हो तो द्वन्द्व समास कहलाता है;

जैसे

- माता-पिता = माता और पिता
- राम-कृष्ण = राम और कृष्ण
- भाई-बहन = भाई और बहन
- पाप-पुण्य = पाप और पुण्य
- सुख-दुःख = सुख और दुःख

2. द्विगु समास

जिस समास में पूर्वपद संख्यावाचक हो, द्विगु समास कहलाता है।

जैसे-

- नवरत्न = नौ रत्नों का समूह
- सप्तदीप = सात दीपों का समूह
- त्रिभुवन = तीन भुवनों का समूह
- सतमंजिल = सात मंजिलों का समूह

3. तत्पुरुष समास

जिस समास में पूर्वपद गौण तथा उत्तरपद प्रधान हो, तत्पुरुष समास कहलाता है। दोनों पदों के बीच परसर्ग का लोप रहता है। परसर्ग लोप के आधार पर तत्पुरुष समास के छः भेद हैं

- मतदाता = मत को देने वाला
- गिरहकट = गिरह को काटने वाला
- जन्मजात = जन्म से उत्पन्न
- मुँहमाँगा = मुँह से माँगा
- गुणहीन = गुणों से हीन
- घुड़सवार = घोड़े पर सवार

4. कर्मधारय समास

जिस समास में पूर्वपद विशेषण और उत्तरपद विशेष्य हो, कर्मधारय समास कहलाता है। इसमें भी उत्तरपद प्रधान होता है; जैसे

- कालीमिर्च = काली है जो मिर्च
- नीलकमल = नीला है जो कमल
- पीताम्बर = पीत (पीला) है जो अम्बर
- चन्द्रमुखी = चन्द्र के समान मुख वाली
- सद्गुण = सद् हैं जो गुण

5. अव्ययीभाव समास- जिस समास में पूर्वपद अव्यय हो, अव्ययीभाव समास कहलाता है। यह वाक्य में क्रियाविशेषण का कार्य करता है; जैसे-

- यथास्थान = स्थान के अनुसार
- आजीवन = जीवन-भर
- प्रतिदिन = प्रत्येक दिन
- यथासमय = समय के अनुसार

6. बहुव्रीहि समास- जिस समास में दोनों पदों के माध्यम से एक विशेष (तीसरे) अर्थ का बोध होता है, बहुव्रीहि समास कहलाता है; जैसे

- महात्मा = महान् आत्मा है जिसकी अर्थात् ऊँची आत्मा वाला।
- नीलकण्ठ = नीला कण्ठ है जिनका अर्थात् शिवजी।
- लम्बोदर = लम्बा उदर है जिनका अर्थात् गणेशजी।
- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाले अर्थात् श्रीकृष्ण।
- मक्खीचूस = बहुत कंजूस व्यक्ति

लेखन -विभाग

'मोहित' बैग बनाने वाली कंपनी के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

* **गतिविधि -** कहानी के आधार पर एकल परिवार और सयुंक्त परिवार के बीच अंतर लिखिए |